मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
उत्तरशक्ति
हिन्दी दैनिक
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 7 अंक 317
बुधवार, 11 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

आतंक ने धर्म चुना, भारत ने कर्म चुना: राजनाथ सिंह

देहरादून, 10 जून। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को एक सशक्त संदेश में कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों ने धर्म के आधार पर नागरिकों को निशाना बनाया, जबकि भारत ने आतंकवादियों को उनके कर्मों के आधार पर जवाब दिया। देहरादून में एक कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा, आतंकवादियों ने पहलगाम में लोगों को उनका धर्म पूछकर मारा; हमने उनका धर्म नहीं पूछा, बल्कि उनके कर्म देखकर जवाब दिया। भारत की रक्षा रणनीति के बारे में बात करते हुए सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के साहसिक और दूरदर्शी नेतृत्व में भारत का रक्षा क्षेत्र उल्लेखनीय रूप से आयात-संचालित मॉडल से विश्वसनीय वैश्विक निर्यातक बन गया है। सिंह ने कहा, हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने इस बदलाव को देखा। 22 अप्रैल को, पाकिस्तान से जुड़े पाए गए आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप 26 लोग मारे गए, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद जवाबी कार्रवाई में चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर भारत के इतिहास में आतंकवाद के खिलाफ की गई सबसे बड़ी कार्रवाई थी। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमला न केवल भारत के लोगों पर हमला था, बल्कि देश की सामाजिक एकता पर भी हमला था। देहरादून में एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में उन्होंने यह भी कहा कि आतंकवादियों ने पहलगाम में लोगों से उनका धर्म पूछकर उनकी हत्या की, लेकिन हमने उनका धर्म नहीं पूछा, बल्कि उनके कर्म देखकर जवाब दिया।

सिंह ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के घेरे को मजबूत किया है। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हर मामले में हमने सरकार के रवैये और काम करने के तरीके दोनों को बदला है। हालमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने इस बदलाव को देखा।

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने छह मई की रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ढांचों को नष्ट करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया।

पाकिस्तानी हमलों के बाद की सभी जवाबी कार्रवाई इसी ऑपरेशन के तहत की गई। सिंह ने इसे भारत की ओर से जवाबी कार्रवाई के तौर पर बड़ी और कड़ी कार्रवाई बताया। उन्होंने कहा, यह (ऑपरेशन सिंदूर) भारतीय इतिहास में आतंकवाद के खिलाफ की गई सबसे बड़ी कार्रवाई थी, मैं यह दृढ़ता से कह सकता हूं।

लोकसभा उपाध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करें, मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 10 जून। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर उनसे लोकसभा के उपाध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उनसे लोकसभा के उपाध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को मेरा पत्र, बिना किसी देरी के लोकसभा के उपाध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने की आवश्यकता पर। पहली से सोलहवीं लोकसभा तक, हर सदन में एक उपाध्यक्ष रहा है। मोटे तौर पर, मुख्य विपक्षी दल के सदस्यों में से उपाध्यक्ष की नियुक्ति एक सुस्थापित परंपरा रही है।

खड़गे ने आगे कहा कि हालांकि, स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार यह पद लगातार दो लोकसभा कार्यकालों के लिए रिक्त रहा है। सत्रहवीं लोकसभा के दौरान कोई उपाध्यक्ष नहीं चुना गया था, और यह चिंताजनक मिसाल मौजूदा अठारहवीं लोकसभा में भी जारी है। यह भारत की लोकतांत्रिक राजनीति के लिए शुभ संकेत नहीं है और संविधान के सुविचारित प्रावधानों का भी उल्लंघन है। उन्होंने कहा, ₹भारत के संविधान के अनुच्छेद 93 में लोक सभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों के चुनाव का प्रावधान है। संवैधानिक रूप से, उपाध्यक्ष, अध्यक्ष के बाद सदन का दूसरा सबसे बड़ा पीठासीन अधिकारी होता है। खड़गे ने कहा कि परंपरागत रूप से, उपसभापति का चुनाव नवगठित लोकसभा के दूसरे या तीसरे सत्र में किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव की प्रक्रिया अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया के समान ही है, केवल अंतर यह है कि उपाध्यक्ष के चुनाव की तिथि लोकसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन नियमों के नियम 8(1) के अनुसार अध्यक्ष द्वारा तय की जाती है।

नदी में डूबने से आठ युवकों की दर्दनाक मौत, सीएम भजनलाल शर्मा जताया दुख

टोंक, 10 जून। राजस्थान के टोंक जिले में मंगलवार को बनास नदी में डूबने से आठ युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि ये लोग नदी में तैरने गए थे, लेकिन यह मजेदार सैर एक भयानक त्रासदी में बदल गई। शुरूआती रिपोर्ट्स से पता चलता है कि मृतक टोंक और जयपुर जिले के अलग-अलग इलाकों से थे। प्रत्यक्षदर्शियों और अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय निवासियों ने प्रशासन की मदद से घंटों की तलाशी के बाद सभी शवों को बरामद कर लिया। खबर फैलते ही माहौल गमगीन हो गया और जिला अस्पताल के बाहर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई, जहां शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। राजस्थान के सीएम

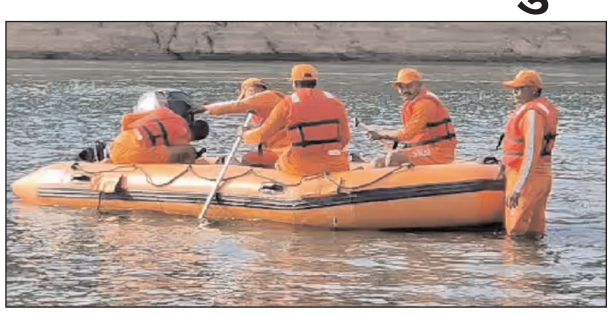

भजनलाल शर्मा का ट्वीट किया कि टोंक जिले में स्थित बनास नदी में युवकों की डूबने से हुई मृत्यु का समाचार अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक है। घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन के अधिकारियों को त्वरित रूप से रेस्क्यू एवं राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति तथा शोकाकुल परिजनों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति दें। इन सभी युवकों की उम्र 25 से 30 साल के बीच थी। हादसा बनास नदी पुराने पुल के पास कच्चा बंधा के समीप हुआ। उन्होंने बताया कि तीन युवकों को स्थानीय लोगों ने सुरक्षित निकाल लिया गया। एक अधिकारी के अनुसार ये जयपुर के हसनपुरा इलाके के रहने वाले थे।

बड़ा मंगल : आस्था की तपिश ने चिलचिलाती धूप को भी किया परास्त

- **सूरज की तेजी नहीं रोक सकी श्रद्धालुओं का जोश, मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़, हर ओर गूंजे जय श्रीराम और बजरंगबली के जयकारे**
- **शहर से गांव तक भक्ति की लहर, मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु, जगह-जगह भंडारों का आयोजन**

सुरेश गांधी

वाराणसी। ज्येष्ठ मास का अंतिम और पांचवां बड़ा मंगल मंगलवार को श्रद्धा, उत्साह और भक्ति की भव्य तस्वीर बनकर सामने आया। सूरज की तपिश हो या उमस की परेशानी, कहीं भी भक्तों की आस्था में कमी नहीं दिखी। सुबह तड़के से ही मंदिरों

के कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं की कतारें लग गईं। दिनभर लगी रही भक्तों की भीड़, शंखनाद, मंगल आरती और जयकारों से गूंजे मंदिर. हर गली-मोहल्ले में लगे भंडारे, भक्तों ने बांटा प्रसाद. धार्मिक आयोजनों में महिलाओं, युवाओं और बच्चों की रही खास भागीदारी. शहर के प्रमुख हनुमान मंदिरों, जैसे रोवनवा प्राचीन हनुमान मंदिर, पांडेयपुर, महाबीर मंदिर अर्दलीबाजार, संकट मोचन मंदिर, लंका, श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर और नगर के मुख्य बजरंगबली मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंगल आरती, शंखनाद और ढोल नगाड़ों के साथ जय श्रीराम और बजरंगबली के जयघोष गूंजते रहे। मंदिरों के प्रांगण से लेकर घर-घर तक भक्तों ने सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया। बजरंगबली की विशेष पूजा-अर्चना और श्रृंगार के बाद भक्तों ने आरती उतारी और प्रसाद चढ़ाया। भंडारों में उमड़ी भीड़, जनप्रतिनिधियों ने बांटा प्रसाद हर मोहल्ले, मंदिर और चौक-चौराहों पर श्रद्धालुओं की सेवा में भंडारे लगाए गए। श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि भी आयोजन स्थलों पर पहुंचे और प्रसाद वितरण में सहभागिता की। रोवनवा प्राचीन हनुमान मंदिर, पांडेयपुर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में आस्थावानों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर भाजपा के महानगर महामंत्री जगदीश त्रिपाठी, पार्षद मदन मोहन दुबे खजूरी, सचीन सिंह, सोनू राय, अमित सिंह, अजयकांत दुबे, विजय यादव बल्लू, बृजेश दुबे, हरि यादव, हृदय गुप्ता आदि का विशेष योगदान रहा।

नीतीश-बीजेपी ने लॉ एंड ऑर्डर का अंतिम संस्कार कर दिया: लालू यादव

पटना, 10 जून। बिहार में बढ़ती अपराध दर पर बढ़ती चिंता के बीच, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला किया और राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया। लालू-राबड़ी के दौर में जंगल राज की नीतीश कुमार की लंबे समय से चली आ रही आलोचना पर कटाक्ष करते हुए राजद नेता ने कहा, नीतीश कुमार कहते थे कि लोग शाम 5 बजे के बाद अपने घरों से निकलने से डरते हैं। क्या ये सभी अपराध अब शाम 5 बजे के बाद हो रहे हैं? क्या वह हमें बता सकते हैं कि शाम 5 बजे से पहले दिनदहाड़े कितनी हत्याएँ हो रही

हैं? आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए लालू ने दावा किया कि मुख्यमंत्री के तौर पर नीतीश कुमार के कार्यकाल में 65,000 से ज्यादा हत्याएँ हुई हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, क्या नीतीश कुमार को यह भी पता है कि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, उनके शासन के दौरान 65,000 से अधिक हत्याएं हुई हैं? उन्होंने आगे नीतीश कुमार-भाजपा गठबंधन पर बिहार में कानून प्रवर्तन तंत्र को खत्म करने का आरोप लगाया। लालू ने आरोप लगाया, नीतीश-भाजपा ने न केवल कानून-व्यवस्था को नष्ट किया है - बल्कि उसे दफना दिया है। बिहार ने कभी इतना भ्रष्ट, उदासीन और सुस्त पुलिस बल नहीं देखा। उन्होंने सोमवार को पटना के आलमगंज इलाके में हुए दोहरे हत्याकांड का भी जिक्र किया, जहां एक ही परिवार के तीन सदस्यों को दिनदहाड़े गोली मार दी गई और बाद में दो लोगों की अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं राज्य में सार्वजनिक सुरक्षा की गंभीर स्थिति को दशार्ती हैं। लालू की यह टिप्पणी बिहार के एडीजी (मुख्यालय) कुंदन कृष्णन द्वारा एक प्रेस वार्ता के दौरान हत्या के मामलों में मामूली वृद्धि को स्वीकार करने के एक दिन बाद आई है। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, बिहार में 2024 में हत्या के मामलों का औसत मासिक 232 दर्ज किया गया, जो 2025 के पहले पांच महीनों में थोड़ा बढ़कर 233 प्रति माह हो गया है।

द्वारका सेक्टर-13 की बिल्डिंग में लगी भीषण आग, दो बच्चों की मौत

नई दिल्ली, 10 जून। दिल्ली के द्वारका सेक्टर-13 में लगी भीषण आग के बाद एक इमारत की सातवीं मंजिल से कूदने की कोशिश कर रहे दो बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। आग शब्द अपार्टमेंट में लगी, जिसके बाद आठ दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। कई लोग रिहायशी इमारत में फंस गए, जबकि आग ने पूरी मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया। एमआरवी स्कूल के पास सेक्टर-13 में सबद अपार्टमेंट की सातवीं मंजिल पर स्थित फ्लैट में आग लगने की खबर मिली है। अग्निशमन अधिकारियों ने

बताया कि आग में घायलों की जानकारी अभी नहीं मिल पाई है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि दो बच्चे (एक लड़का और एक लड़की, दोनों की उम्र 10 साल) खुद को बचाने के लिए बालकनी से कूद गए और उन्हें अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया।

पहलगाम हमले को लेकर ममता बनर्जी ने केंद्र पर साधा निशाना

कोलकता। पश्चिम बंगाल विधानसभा ने मंगलवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया जिसमें देश की पश्चिमी सीमा पर आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमले करने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों के शौर्य की सराहना की गई। हालांकि, पहलगाम आतंकी हमले पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टिप्पणी के बाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सदन में हंगामे की स्थिति देखने को मिली। प्रस्ताव में सशस्त्र बलों की राष्ट्र की सुरक्षा में उनके अटूट साहस के लिए सराहना की गई तथा इसे बिना किसी विरोध के पारित कर दिया गया।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

भारतीय अध्यात्म जगत के महासूर्य हैं कबीर

-ललित गर्ग

संत कबीर जन्म जयन्ती– 11 जून, 2025

भारतीय संत परम्परा और संत-साहित्य में संत कबीर एक महान् हस्ताक्षर, समाज-सुधारक, अध्यात्म की सुदृढ़ परम्परा के संवाहक एवं अनूठे संत हैं। जब भारतीय समाज और धर्म का स्वरूप रूढ़ियों एवं आडम्बरों में जकड़ा एवं अधंकारमय था, एक तरफ मुसलमान शासकों की धर्मांधता से जनता त्राहि-त्राहि कर रही थी और दूसरी तरफ हिंदुओं के कर्मकांडों, विधानों एवं पाखंडों से धर्म-बल का ह्रास हो रहा था, तब संत कबीर एक रोशनी बनकर समाज को दिशा दी। कबीर ने मानव चेतना के विकास के हर पहलू को उजागर किया। श्रीकृष्ण, श्रीराम, महावीर, बुद्ध, जीसस के साथ-ही-साथ भारतीय अध्यात्म आकाश के अनेक संतों-आदि शंकराचार्य, नानक, रैदास, मीरा आदि की परंपरा में कबीर ने धर्म की त्रासदी एवं उसकी चुनौतियों को समाहित करने का अनूठा कार्य किया। जीवन का ऐसा कोई भी आयाम नहीं है जो उनके दोहों-विचारों से अस्पर्शित रहा हो। अपनी कथनी और करनी से मृतप्रायः मानव जाति के लिए कबीर ने संजीवनी का कार्य किया। इतिहास गवाह है, इंसान को ठोंक-पीट कर इंसान बनाने की घटना कबीर के काल में, कबीर के ही हाथों हुई।

शायद तभी कबीर कवि मात्र ना होकर युगपुरुष और युगस्रष्टा कहलाए।

महात्मा कबीर सत्व, रज, तम तीनों गुणों को छोड़कर त्रिगुणातीत बन गये थे। उन्होंने निर्गुण रंगी चादरिया रे, कोई ओढ़े संत सुजान को चरितार्थ करते हुए सद्भावना और प्रेम की गंगा को प्रवाहित किया। उन्होंने इस निगुर्णी चदरिया को ओढ़ा है। उन्हें जो दृष्टि प्राप्त हुई है, उसमें अतीत और वर्तमान का वियोग नहीं है, योग है। उन्हें जो चेतना प्राप्त हुई, वह तन-मन के भेद से प्रतिबद्ध नहीं है, मुक्त है। उन्हें जो साधना मिली, वह सत्य की पूजा नहीं करती, शल्य-चिकित्सा करती है। सत्य की निरंकुश जिज्ञासा ही उनका जीवन-धर्म रहा है। वही उनका संतत्व रहा, वही उनकी साधना का अभिन्न अंग रहा। वे उसे चादर की भाँति ओढ़े हुए नहीं हैं बल्कि वह बीज की भाँति उनके अंतस्तल से अंकुरित होता रहा है। कबीर ने सगुण-साकार भक्ति पर जोर दिया है, जिसमें निर्गुण निहित है।

हर जाति, वर्ग, क्षेत्र और सम्प्रदाय का सामान्य से सामान्य व्यक्ति हो या कोई विशिष्ट व्यक्ति हो -सभी में विशिष्ट गुण खोज लेने की दृष्टि कबीर में थी। गुणों के आधार से, विश्वास और प्रेम के आधार से व्यक्तियों में छिपे सद्गुणों को वे पुष्प में से मधु की भाँति उजागर करने में सक्षम थे। परस्पर एक-दूसरे के गुणों को देखते हुए, खोजते हुए उनको बढ़ाते चले जाना कबीर के विश्व मानव या वसुधैव कुटुम्बकम्-के दर्शन का द्योतक है। उन्होंने मन, चेतना, दंड, भय, सुख और मुक्ति जैसे सूक्ष्म विषयों पर भी किसी गंभीर मनोवैज्ञानिक की तरह विचार किया था और व्यक्ति को अध्यात्म की एकाकी यात्रा का मार्ग सुझाया था। कबीर ने लोगों को एक नई राह दिखाई। घर-गृहस्थी में रहकर और गृहस्थ जीवन जीते हुए भी शील-सदाचार और पवित्रता का जीवन जिया जा सकता है तथा आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त किया जा सकता है। वे संसार से भागे नहीं, बल्कि संसार में रहकर सादगी को, संतता को साधा। इसीलिये कबीर एक सामान्य मनुष्य के लिये आशा का द्वार है। संत कबीर का जन्म लहरतारा के पास जेठ पूर्णिमा को हुआ था। उनके पिता नीरू नाम के जुलाहे थे। 119 वर्ष की आयु में उन्होंने मगहर में अपना देह त्यागा। कुछ लोगों का कहना है कि वे जन्म से मुसलमान थे और युवा अवस्था में स्वामी रामानंद के प्रभाव से उन्होंने हिन्दू धर्म की विशेषताओं को स्वीकारा। कबीर ने हिन्दु, मुसलमान का भेद मिटाकर हिन्दू भक्तों तथा मुसलमान फकीरों के साथ सत्संग किया और दोनों की अच्छी बातों को आत्मसात किया। उनके जीवन में कुरान और वेद ऐसे एकाकार हो गये कि कोई भेदरेखा भी नहीं रही। कबीर पढ़े लिखे नहीं थे पर उनकी बोली बातों को उनके अनुयायियों ने लिपिबद्ध किया जो लगभग 80 ग्रंथों के रूप में उपलब्ध है। कबीर ने भाईचारे, प्रेम और सद्भावना का संदेश दिया है। उनके प्रेरक एवं जीवन निर्माणकारी उपदेश उनकी साखी, रमैनी, बीजक, बावन अक्षरी, उलट बासी में देखे जा सकते हैं। कबीर एक ऐसे संत हैं, जिनके लिये पंथ और ग्रंथ का भेद बाधक नहीं। वे दो संस्कृतियों के संगम हैं। उनका मार्ग सहजता है, यही कारण है कि उन्होंने सहज योग का मार्ग सुझाया। वे जाति-पाति के भेदभावों से मुक्त एक सच्चा इंसान, क्रांतिकारी संतपुरुष एवं अनूठे योगी थे। कबीर ने इन क्रांतिकारी शब्दों के जरिये पाखंडियों को ललकारा था लहूलुहान-कबीर बानी अटपटी, सुनकर लागे आग। अज्ञानी जन जल मुए,ज्ञानी जाए जाग। कबीर की वाणी धधकती हुई आग के समान थी, जिस अग्नि में अज्ञानी और पाखंडियों का भस्म होना निश्चित है। संत सज्जन व्यक्तियों का जीवन सुसज्जित तथा उन्हें परम सत्य की प्राप्ति होना सुनिश्चित है। सत्य परम प्रकाश हमारे अंदर है जिसकी प्राप्ति संत कबीर जैसे महापुरुषों के ज्ञान से की जा सकती है।

महात्मा कबीर ने स्वयं को ही पग-पग पर परखा और निथारा। स्वयं को भक्त माना और उस परम ब्रह्म परमात्मा का दास कहा। वह अपने और परमात्मा के मिलन को ही सब कुछ मानते। इसलिए शास्त्र और किताबें उनके लिये निरर्थक और पाखण्ड था, सुनी-सुनाई तथा लिखी-लिखाई बातों को मानना या उन पर अमल करना उनको गंवारा नहीं। इसीलिये उन्होंने जो कहा अपना अनुभव के आधार पर कहा, देखा और भोगा हुआ ही व्यक्त किया, यही कारण है कि उनके दोहे इंसान को जीवन की नई प्रेरणा देते थे। कबीर शब्दों का महासागर है, ज्ञान का सूरज है। उनके बारे में जितना भी कहो, थोड़ा है, उन पर लिखना या बोलना असंभव जैसा है। सच तो यह है कि बूंद-बूंद में सागर है और किरण-किरण में सूरज। उनके हर शब्द में गहराई है, सच का तेज और ताप है। संत शिरोमणि कबीर सर्वधर्म सद्भाव के प्रतीक थे, साम्प्रदायिक सद्भावना एवं सौहार्द को बल दिया। उनको हिन्दू और मुस्लिम दोनों ही संप्रदायों में बराबर का सम्मान प्राप्त था। दोनों संप्रदाय के लोग उनके अनुयायी थे। यही कारण था कि उनकी मृत्यु के बाद उनके शव को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। हिन्दू कहते थे कि उनका अंतिम संस्कार हिन्दू रीति से होना चाहिए और मुस्लिम कहते थे कि मुस्लिम रीति से। किंतु इसी छीना-झपटी में जब उनके शव पर से चादर हट गई, तब लोगों ने वहाँ फूलों का ढेर पड़ा देखा। यह कबीरजी की ओर से दिया गया बड़ा ही चमत्कारी और सशक्त संदेश था कि इंसान को फूलों की तरह होना चाहिए- सभी धर्मों के लिए एक जैसा भाव रखने वाले, सभी को स्वीकार्य। बाद में वहाँ से आधे फूल हिन्दुओं ने ले लिए और आधे मुसलमानों ने तथा अपनी-अपनी रीति से उनका अंतिम संस्कार किया। अध्यात्म के महासूर्य कबीर ने कहा है, ढाबुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलया कोय। जो मन खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय। इस दोहे में कबीर ने बताया है कि व्यर्थ में हम किसी दूसरे में दोष क्यों ढूंढ़ने लगते हैं? हमें अपने अंदर झांक कर देखना चाहिए कि कहीं मुझमें कोई गलती तो नहीं। मसि-कागद छुए बगैर ही वह सब कह गए जो श्रीकृष्ण ने कहा, नानक ने कहा, ईसा मसीह ने कहा और मुहम्मद साहब ने कहा। आश्चर्य की बात, अपने साक्ष्यों के प्रसार हेतु कबीर सारी उम्र किसी शास्त्र या पुराण के मोहताज नहीं रहे। न तो किसी शास्त्र विशेष पर उनका भरोसा रहा और ना ही उन्होंने जीवन भर स्वयं को किसी शास्त्र में बांधा। कबीर ने समाज की दुखती रग को पहचान लिया था। वे जान गए थे कि हमारे सारे धर्म और मूल्य पुराने हो गए हैं। नई समस्याएं नए समाधान चाहती हैं। नए प्रश्न, नए उत्तर चाहते हैं। नए उत्तर, पुरानेपन से छुटकारा पाकर ही मिलेंगे। कबीर भारत की उज्ज्वल गौरवमयी संत परंपरा में सर्वाधिक समर्पित एवं विनम्र संत हैं। वे गुरुओं के गुरु हैं, उनका फक्कड़पन और पुरुषार्थ, विनय और विवेक, साधना और संतता, समन्वय और सहअस्तित्व की विलक्षण विशेषताएं युग-युगों तक मानवता को प्रेरित करती रहेंगी।

मुंबई में लोकल ट्रेन से गिरकर यात्रियों की मौत को रोकना जरुरी

अशोक भाटिया

अभी हाल ही में मुंबई के उपनगर दिवा और मुंब्रा के बीच भीड़ भरी लोकल ट्रेन के दरवाजे पर खड़े कुछ यात्री नीचे गिर गए और कुछ की मौत हो गई और अन्य घायल हो गए। सोमवार को सप्ताह का पहला दिन था जिस दिन मुंबई में उपनगरीय ट्रेनें भीड़ के साथ चलती हैं। मध्य रेलवे के मुंब्रा स्टेशन के पास दो लोकल ट्रेनों के दरवाजे पर खड़े यात्रियों को एक-दूसरे के खिलाफ रगड़ दिया गया। शुरूआत में बताया गया था कि कुछ लोग नीचे गिर गए और हादसा हो गया। इस बात की भी कोई जानकारी नहीं है कि कितने लोग मारे गए या कितने घायल हुए।

दुनिया में कहीं भी इतनी बड़ी संख्या में यात्रियों को ले जाने की क्षमता नहीं होनी चाहिए। रात में चार घंटे को छोड़कर, सीएसटी-चर्चगेट से कर्जत, कसारा, खोपोली, पनवेल और विरार , पालघर, दहानू तक लोकल ट्रेनें चलती हैं।मोनो मुंबईकरों के लिए एक आवश्यक सेवा बन गई है। लोकल ट्रेनें और मेट्रो मुंबईकरों की सांस हैं। फिर, जिस प्रकार इस सेवा को तैयार रखना और चौबीसों घंटे कार्य करना रेलवे के लिए एक चुनौती है, उसी प्रकार यह रेलवे का भी कर्तव्य है। इसी महामुंबई से देश के खजाने में सबसे ज्यादा राजस्व मिलता है। इसी महानगर से देश को सबसे ज्यादा जीएसटी मिल रहा है। बदले में, रेल मंत्रालय भारी राजस्व चुकाने के बाद भी मुंबईकरों की दैनिक स्थानीय यात्रा को आरामदायक बनाने के लिए नगण्य सेवाएं प्रदान करता है?

गौरतलब है कि दादर, कुर्ला, घाटकोपर, ठाणे, कलवा, डोंबिवली, कल्याण और अंधेरी, मध्य और पश्चिम रेलवे के वसई-विरार स्टेशनों पर हमेशा भीड़ रहती है। सीएसटी से कर्जत, कसारा, खोपोली, पनवेल आने और जाने वाली लोकल ट्रेनों में हमेशा भीड़ रहती है। इससे भी बदतर, लोकल ट्रेन में यात्रियों की हालत बदतर है। जब कासरा से सीएसटी और सीएसटी से कसारा जाने वाली ट्रेन गुजर रही थी, तो जो लोग दरवाजे पर खड़े थे और एक-दूसरे से चिपके हुए थे, उन्हें रगड़ा गया और उनमें से दर्जनों नीचे गिर गए।दौड़ते हुए लोकल में यात्री अपना संतुलन भी नहीं बना पाए, अन्य लोग नीचे गिरे लोगों को पकड़ या खींच कर वापस कोच में नहीं ला सके। कितने लोग घायल हुए, जिनके हाथ-पैर टूटे, किसने अपनी जान गंवाई, इसका विवरण बाद में आएगा, लेकिन भीड़ भरे लोकल के यात्री एक-दूसरे से रगड़कर नीचे गिर गए। यह समय उन पर क्यों आया? कौन जिम्मेदार है? इसका जवाब कोई नहीं देगा। देश में हर जगह वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू की जा रही है। वंदे भारत ट्रेन का क्रेज बढ़ रहा है, लेकिन मुंबई के इलाकों में रोजाना यात्रा करने वाले लाखों यात्री हवा में उड़ गए हैं। हर दिन, लाखों मुंबईकर काम तक पहुंचने के लिए भीड़-भाड़ वाले इलाकों में ढाई घंटे की यात्रा कर रहे हैं और आजीविका और रोजगार के लिए एक ही भीड़ से शाम और रात घर लौट रहे होते हैं।

बताया जाता है कि मुंबई में लोकल ट्रेन में रोजाना करीब 75 लाख लोग सफर करते है. सेंट्रल रेलवे मुंबई उपनगरीय में 1810 ट्रेनों का संचालन करता है, जिसमें प्रतिदिन 70 लाख पैसेंजर सफर करते है. वहीं वेस्टर्न उपनगरीय 1394 ट्रेनों का संचालन करता है, जिसमें 35 लाख पैसेंजर सफर करते हैं. एक तरफ जहां लाखों की संख्या में यात्री ट्रेनों में सफर करते हैं, उसी तरह हजारों लोगों की मौत भी ट्रेन की घटनाओं में हुई है. मुंबई हाईकोर्ट में दाखिल जवाब के मुताबिक, पिछले 20 सालों में मुंबई में रेल हादसों में 51,802 लोगों की मौत हो चुकी है। मुंबई में ट्रेन हादसों में हर दिन सात से आठ लोगों की मौत हो जाती है, लेकिन उनकी कोई खबर नहीं आती। मुंबई की उपनगरीय रेलवे 'हर दिन कौन रोता है' की स्थिति में है। नए साल 2025 के जनवरी से मार्च के तीन महीनों में मुंबई में ट्रेन हादसों में 663 लोगों की मौत हो गई। इनमें से 272 की मौत लोकल ट्रेन से गिरने से हुई, जबकि 391 की मौत रेलवे ट्रैक पार करते समय हुई। यह शायद पहली बार हो जब दो लोकल ट्रेनों के यात्री एक-दूसरे पर गिरकर मर गए हों या घायल हुए हों। क्या मुंबई में स्थानीय यात्रा पर किसी का नियंत्रण है? हर ट्रेन में हर लोकल के डिब्बे में बिना टिकट के कई यात्री होते हैं।

सवाल यह है कि भीड़ का दुष्चक्र कब खत्म होगा? स्थानीय यात्रियों के लिए कब है राहत? मुंबईकरों को लोकल ट्रेनों में आराम से यात्रा करने का मौका कब मिलेगा? आम लोग शौक के रूप में स्थानीय यात्रा नहीं करते हैं। लाखों लोग स्थानीय यात्रा की ओर आकर्षित होते हैं क्योंकि वे सस्ते और तेज यात्रा कर सकते हैं। पिछले दो वर्षों में वातानुकूलित स्थानों ने चलना शुरू कर दिया है। जैसे-जैसे उनकी संख्या बढ़ रही है, गैर-एसी स्थान कम हो रहे हैं। मुंबई में, एसी स्थानों की बहुत मांग है। रेल प्रशासन को इस बात का ध्यान रखना चाहिए।फर्स्ट क्लास कोच में भी बिना टिकट के लोगों की भारी भीड़ होती है, यहां तक कि महिलाओं की भी। उन्हें यकीन है कि उनसे टिकट मांगने कोई नहीं आएगा। बिना टिकट वाले यात्री पास धारकों के लिए रोज की परेशानी बने हुए हैं, लेकिन रनिंग लोकल में कोच में आकर टिकट चेकिंग लगभग बंद हो गई है। गंदे पोखर लगाकर बॉक्स को साफ करने का नाटक करने वाले लोगों की भारी भीड़ है। हाथों में बच्चा लेकर भीख मांगने वाले भी बड़ी संख्या में लोग हैं। ये सभी लोग स्टेशन कैसे पहुंच सकते हैं, लोकल में कैसे चढ़ सकते हैं? वह सिस्टम कहां है जो उन्हें रोकता है, हटाता है और कार्रवाई करता है। पर्स बीनने वालों और मोबाइल चोरों के गिरोह भी भीड़ में सुराग तलाश रहे हैं। लेकिन जहां उन्हें रेलवे पुलिस का डर नहीं दिखता। दर्जनों यात्री इसलिए गिर गए क्योंकि वे मुंब्रा में भीड़ को संतुलित नहीं कर पाए, अगर इस भीड़ को नियंत्रित नहीं किया गया तो ऐसे हादसे होते रहेंगे। मुंबई की लाइफलाइन सुरक्षित है। वैसे बताया जाता है कि मुंबई लोकल में सोमवार को हुए हादसे के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (ICF) टीम के साथ इमरजेंसी मीटिंग की। इसमें मुंबई के लिए अब जो भी नॉन एसी लोकल ट्रेन आएंगी। उन सभी में दिल्ली मेट्रो की तरह ऑटोमेटिक गेट लगाए जाएंगे। साथ ही मौजूदा समय में चल रही लोकल के गेटों को स्वचालित गेटों से बदला जाएगा। लेकिन मीटिंग में एक बात यह भी सामने आई कि अगर मुंबई लोकल की नॉन एसी ट्रेनों में ऑटोमेटिक गेट लगा दिए गए तो अंदर डिब्बों में घुटन अधिक हो जाएगी। जिससे यात्रियों को दम घुटने जैसी परेशानी हो सकती है।

ऐसे में तय किया गया कि मुंबई लोकल के लिए जो नॉन एसी ट्रेन बनाई जाएंगी। वह ना केवल ऑटोमेटिक गेटों वाली होंगी। बल्कि उन्हें इस तरह से डिजाइन किया जाएगा। ताकि उनमें वेंटिलेशन का पूरा साधन हो। यात्रियों को लोकल में दम ना घुटे और वह हवादार हों। इसके लिए थ्री स्टेप योजना बनाई गई है। जिसमें ट्रेनों के कोच को हवादार बनाया जाएगा। रेलवे मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि इस मामले में लंबी चर्चा के बाद निर्णय लिया गया कि मुंबई उपनगरीय सेवाओं के लिए जो भी नॉन एसी लोकल ट्रेन आएगी। उसके ऑटोमेटिक गेटों पर लूवर्स होंगे। यानी गेटों पर इस तरह की पट्टियां लगाई जाएंगी। जो हवा और रोशनी को तो कोच के अंदर आने देंगी, लेकिन बारिश और सूरज की सीधी रोशनी को आने से रोकेंगी।

यह भी तय हुआ कि अलावा मुंबई लोकल ट्रेन के कोचों की छतों पर वेंटिलेशन यूनिटस लगाई जाएंगी। जो डिब्बों के अंदर ताजी हवा को खीचेंगी। इसके अलावा तीसरे स्टेप पर सारे कोच आपस में कनेक्ट होंगे। जिससे की यात्री एक कोच से दूसरे कोच में आ जा सकेंगे। जिससे भीड़ अपने आप से काफी हद तक संतुलित हो सकेगी। डिब्बों की विंडो भी और अधिक हवादार बनाई जाएंगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेलवे बोर्ड के अन्य अधिकारी समेत आईसीएफ टीम इस नतीजे पर पहुंची कि इस तरह की ट्रेन तैयार की जा सकती है। इसे युद्ध स्तर पर बनाने के लिए ग्रीन सिग्नल भी मिल गया। जिसमें इस नए डिजाइन की पहली ट्रेन इसी साल नवंबर 2025 तक बनकर तैयार करने का दावा किया गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि इसके बाद जरूरी ट्रायल और सर्टिफिकेट के बाद इस नई हवादार और नए डिजाइन वाली नॉन एसी लोकल अगले साल जनवरी 2026 तक यात्रियों को अपनी सेवाएं देना शुरू कर देगी। यह ट्रेन उन 238 एसी ट्रेनों के अतिरिक्त होंगी। जिनका निर्माण मुंबई उपनगरीय सेवाओं के लिए किया जा रहा है।

वसई रोड यात्री संघ के महामंत्री अशोक भाटिया का कहना है कि जो कुछ रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (ICF) टीम के साथ इमरजेंसी मीटिंग में तय किया है वह प्रत्यक्ष दिखाई दे तो ठीक नहीं तो ऐसा न हो कि हाल की घटना का दर्द कम होने पर तय योजनाएं कागज का पुलिंदा न बन कर रह जाये ।

रिश्तों के लाश पर खड़ा आधुनिक प्रेम

-डॉ. सत्यवान सौरभ

रिश्ते, भ्रम और हत्या इंदौर के राजा की मेघालय में हनीमून के दौरान हत्या, उसकी नवविवाहिता पत्नी द्वारा प्रेमी संग मिलकर की गई निर्मम साजिश, आधुनिक प्रेम की भयावह हकीकत बन गई। यह घटना न केवल व्यक्तिगत विश्वासघात है, बल्कि सामाजिक मूल्यों, भावनात्मक अपरिपक्वता और विवाह संस्थान की खोखली होती जा रही नींव का संकेत है। सनसनी के बजाय संवेदना जरूरी है। यह हत्याकांड रिश्तों की शिक्षा, संवाद और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर विमर्श की माँग करता है। यह सिर्फ एक हत्या नहीं, समाज के गिरते रिश्तों का आईना है।

इंदौर के राजा और मेघालय की सोनम के हनीमून पर हुई हत्या की घटना न केवल व्यक्तिगत त्रासदी है, बल्कि सामाजिक, नैतिक और मानसिक स्तर पर गहरी चिंता पैदा करती है। यह अपराध आधुनिक प्रेम और विवाह संबंधों में फैलते अविश्वास और स्वार्थ की भयावह तस्वीर पेश करता है। साथ ही, मेघालय जैसे पर्यटन स्थलों की छवि भी प्रभावित होती है। ऐसी घटनाएँ भावनात्मक शिक्षा, रिश्तों में पारदर्शिता और समाज के नैतिक मूल्यों की पुनर्समीक्षा की मांग करती हैं।

भारत के सामाजिक परिदृश्य में प्रेम, विवाह और रिश्तों को पवित्र बंधन माना जाता रहा है। लेकिन जब हनीमून जैसी कोमल, सुंदर और विश्वास से भरी यात्रा हत्या का मंच बन जाए, तो यह सिर्फ एक अपराध नहीं होता, यह पूरे समाज की अंतरात्मा पर चोट करता है। इंदौर के राजा और मेघालय की सोनम का हनीमून मर्डर केस केवल एक युवक की जान नहीं ले गया, उसने नॉर्थ ईस्ट की छवि को भी कलंकित किया, टूरिज्म सेक्टर पर प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए और सबसे बड़ी बात – विश्वास की नींव पर टिके रिश्तों को ध्वस्त कर दिया।

इंदौर निवासी युवक राजा की शादी हाल ही में सोनम नामक युवती से हुई। नवविवाहित जोड़ा हनीमून मनाने मेघालय पहुंचा। वहाँ की खूबसूरत वादियों, शांत झीलों और पहाड़ी रास्तों के बीच ऐसा कुछ हुआ जिसकी कल्पना कोई नहीं कर सकता था। हनीमून के बहाने सोनम ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या की योजना बनाई और उसे अंजाम भी दे डाला।

शुरूआत में राजा का गायब होना एक दुर्घटना माना गया। लेकिन जब पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई, मोबाइल लोकेशन, चैट्स, बैंक ट्रांजैक्शन और सीसीटीवी फुटेज सामने आए, तब जाकर पूरी साजिश बेनकाब हुई।

सवाल यह है कि एक नवविवाहिता ऐसा क्यों करती है? जवाब आसान नहीं है, पर चिंतन जरूरी है। यह मामला केवल व्यक्तिगत धोखा नहीं, समाज की उस बनती मानसिकता का भी परिणाम है, जिसमें रिश्तों में धैर्य, संवाद और समर्पण की जगह जल्दबाजी, लालच और अवसरवाद ने ले ली है।

सोनम पहले से एक अन्य युवक से प्रेम करती थी, और राजा से विवाह सिर्फ परिवार या आर्थिक मजबूरियों के चलते हुआ। लेकिन विवाह के बाद भी उसने उस प्रेमी को छोड़ा नहीं, बल्कि पति को रास्ते से हटाने की योजना बना डाली। आज के दौर में रिश्तों की शुरूआत इंस्टाग्राम और स्नैपचैट से होती है, और अंत क्राइम पेट्रोल या पुलिस स्टेशन पर। भावनात्मक गहराई, एक-दूसरे को समझने का समय और परख की प्रक्रिया लगभग न के बराबर रह गई है।

विवाह को लेकर जिस जल्दबाजी और सामाजिक दबाव की संस्कृति बन गई है, उसमें युवक-युवती को खुद की इच्छाओं और संबंधों को समझने का समय ही नहीं मिलता। भावनात्मक अपरिपक्वता, आत्मकेंद्रित निर्णय और रिश्तों के प्रति गैर-जिम्मेदारी, इन सबका सम्मिलन इस हत्याकांड जैसी घटनाओं को जन्म देता है।

यह घटना मेघालय के खूबसूरत पर्यटन स्थलों जैसे शिलॉन्ग, चेरापूंजी, डावकी, उमगोट नदी आदि की छवि पर भी असर डाल गई। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने इसे मेघालय हनीमून मर्डर केस कहना शुरू कर दिया, जिससे नॉर्थ ईस्ट राज्यों के प्रति अनावश्यक संदेह और डर का वातावरण बन रहा है।

लेकिन प्रश्न यह हैः क्या एक महिला की निजी आपराधिक साजिश पूरे क्षेत्र को बदनाम कर सकती है? उत्तर है – नहीं। यह वही मानसिकता है जो किसी मुस्लिम अपराधी को देख पूरे धर्म पर टिप्पणी कर देती है, या किसी एक दलित व्यक्ति के कारण पूरी जाति को दोषी ठहराती है। यह सोच भी उतनी ही खतरनाक है जितनी खुद वह घटना।

शादी अब समझौता नहीं, सौदा बन रही है। प्रेम अब समर्पण नहीं, स्वार्थ बन गया है। और भरोसा अब भावना नहीं, बिजनेस जैसा व्यवहार हो गया है। जिस तरह से सोनम ने योजनाबद्ध तरीके से पति की हत्या की, वह दिखाता है कि क्रूरता अब हथियार से नहीं, रिश्तों के माध्यम से भी हो रही है।

मीडिया ने इस घटना को सनसनीखेज ढंग से दिखाया। शीर्षक आए–हनीमून बना हत्याकांड का अड्डा बेवफा बीवी की खूनी प्लानिंग राजा गया, सोनम हँसी

लेकिन इन सुर्खियों के पीछे की वास्तविक पीड़ा, राजा के माता-पिता का दुःख, और समाज में बनती विडंबनाओं की चर्चा लगभग नदारद रही। सोशल मीडिया पर भी मामला जल्दी ही मेमे और चुटकुलों का विषय बन गया –पूरा नॉर्थ ईस्ट सोनम की बेवफाई से बदनाम हो गया। हनीमून पर जाने से पहले पुलिस वेरिफिकेशन जरूरी कर लो। यह हास्य के नाम पर एक मानवीय त्रासदी का उपहास है। कुछ लोग कह सकते हैं कि यह एक अलग-थलग मामला है। लेकिन सच यह है कि ऐसे रिश्ते-जनित अपराध बढ़ रहे हैं। कहीं पति पत्नी को दहेज के लिए मार रहा है। कहीं पत्नी प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर रही है। कहीं दोनों मिलकर बच्चों को मार डालते हैं। यह सब संकेत हैं – कि हमारा समाज कहीं न कहीं भावनात्मक पतन, सामाजिक अस्थिरता और नैतिक विघटन की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में अब सवाल समाधान का है।

स्कूलों और कॉलेजों में सिर्फ करियर या डिग्री की बात न हो, बल्कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता, रिश्तों की समझ, संवाद की कला और वैवाहिक जीवन की जिम्मेदारियों की चर्चा हो। जैसे स्वास्थ्य चेकअप होता है, वैसे ही शादी से पहले मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग अनिवार्य हो। सोशल मीडिया को ऐसी घटनाओं को सनसनी नहीं, संवेदना के साथ पेश करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। परिवारों को संवादशील बनना होगा, ताकि युवा खुलकर अपनी उलझनों को साझा कर सकें।

जब एक युवती अपने पति की हत्या करती है, तो हम उसे ₹डायनर₹, ₹खूनी₹, बेवफा कह देते हैं – और सही भी है, अगर वह दोषी है। लेकिन क्या हमने कभी उन हजारों बेटियों की सुध ली जो दहेज, बलात्कार, या मारपीट में मर जाती हैं? क्या हम अपराध को सिर्फ लिंग के आधार पर देखेंगे या सिद्धांतों और संवेदनाओं के आधार पर? राजा की हत्या कोई फिल्मी सस्पेंस नहीं, यह हकीकत है। एक मां का बेटा गया, एक बहन का भाई और एक परिवार की खुशियाँ छिन गईं। वहीं दूसरी ओर – एक राज्य बदनाम हो गया, और पूरे पर्यटन क्षेत्र पर प्रश्नचिन्ह लग गया। हम इस घटना को केवल एक अपराध के रूप में न देखें, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी के रूप में लें। यह हमें बताती है कि अब वकह्नत आ गया है – जब हमें केवल रिश्ते जोड़ने की नहीं, उन्हें निभाने की शिक्षा भी देनी होगी।

भारतीय अर्थव्यवस्था को भारतीय रिजर्व बैंक के दो महत्वपूर्ण तोहफे

वैश्विक स्तर पर विश्व के कई देशों में आर्थिक गतिविधियों पर संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका में तो श्री डॉनल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद से नित नई घोषणाएं की जा रही है। कभी टैरिफ को बढ़ाया जा रहा है तो कभी टैरिफ को लागू करने की तारीखों में परिवर्तन किया जा रहा है तो कभी टैरिफ को कम किया जा रहा है। कुल मिलाकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अफरा तफरी का माहौल बन गया है। अभी हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति श्री ट्रम्प एवं अमेरिका के एक महत्वपूर्ण एवं शक्तिशाली मंत्री श्री एलान मस्क के बीच युद्ध छिड़ गया है एवं अब वे एक दूसरे पर गम्भीर आरोप लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। अमेरिकी अर्थव्यवस्था का इन सब बातों से बहुत नुक्सान होता हुआ दिखाई दे रहा है। बेरोजगारी भत्ता लेने वाले नागरिकों की संख्या में वृद्धि हो रही है, अमेरिकी कम्पनियों द्वारा कर्मचारियों की छंटनी पर विचार किया जा रहा है एवं आर्थिक विकास दर कम हो रही है। दूसरी ओर, रूस यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म होने के आसार अभी भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। एक तरह से इजराईल, हम्मास के बीच युद्ध अभी भी जारी ही है। चीन एवं अमेरिका के बीच में आई खटास भी कम होने का नाम नहीं ले रही है।

वैश्विक स्तर पर इन समस्त घटनाओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था नित नई ऊचाईयों को छूने की ओर अग्रसर है। भारत में नागरिक शांतिपूर्ण तरीके से भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने के प्रति कटिबद्ध हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों के उपक्रम एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियां देश के आर्थिक विकास को गति देने में अपने प्रयास लगातार तेज करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी क्रम में, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिनांक 6 जून 2025 को द्विमासिक मुद्रा नीति की घोषणा करते हुए, देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के उद्देश्य से, दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। एक, रेपो दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 6 प्रतिशत की दर से नीचे लाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया गया है। केलेंडर वर्ष 2025 में रेपो दर में यह लगातार तीसरी कटौती की गई है एवं कुल मिलाकर रेपो दर में 100 आधार बिंदुओं की कमी की जा चुकी है। फरवरी 2025 एवं अप्रेल 2025 घोषित की गई मुद्रा नीति के माध्यम से रेपो दर में दोनों बार 25 आधार बिंदुओं की कमी की गई थी। रेपो दर उस दर को कहते हैं, जिस दर पर भारतीय रिजर्व बैंक विभिन्न बैंकों को आवश्यकता पड़ने पर ऋण उपलब्ध कराता है एवं विभिन्न बैंक रेपो दर को आधार दर बनाते हुए इस दर पर कुछ आधार बिंदु (जमाराशि की लागत एवं लाभ की राशि का समायोजन करते हुए) जोड़ते हुए, ब्याज की दर पर, अपने ग्राहकों को ऋणराशि उपलब्ध कराते हैं।

दूसरे, भारतीय रिजर्व बैंक ने नकद आरक्षित अनुपात में सीधे ही 100 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 4 प्रतिशत की दर से घटाकर 3 प्रतिशत की दर पर ला दिया है। इससे, भारत में बैकों के पास 2.5 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि ऋण प्रदान करने के उद्देश्य से उपलब्ध हो जाएगी एवं सिस्टम में तरलता बढ़ जाएगी। नकद आरक्षित अनुपात उस अनुपात को कहते हैं, जिस पर विभिन्न बैंकों को अपने मांग एवं जमा देयताओं की राशि पर इस अनुपात की दर से नकदी राशि भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा करानी होती है। अतः यह राशि इन बैंकों की पहुंच से बाहर हो जाती है एवं ऋण के रूप में इसे बैंक के ग्राहकों को उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है। यदि नकद आरक्षित अनुपात को कम कर दिया जाता है तो बैंकों के पास यह राशि ऋण के रूप में प्रदान करने के लिए उपलब्ध हो जाती है। इससे स्पष्टतः बैंकों की लाभप्रदता में सुधार होता है।

भारतीय रिजर्व बैंक के उक्त महत्वपूर्ण दोनों निर्णयों से वैश्विक स्तर पर विपरीत परिस्थितियों के बीच भारत में उत्पादों की आंतरिक मांग उत्पन्न करने में सहायता मिलेगी क्योंकि बैंक अपने ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली ऋणराशि पर ब्याज दरों को कम करेंगे। इससे, विशेष रूप से व्यक्तिगत ऋण, गृह ऋण, वाहन ऋण, आदि सस्ते होंगे और अब प्रति माह ग्राहकों द्वारा इन ऋणों पर अदा की जाने वाली मासिक किश्त की राशि में कमी आएगी और इन नागरिकों के पास खर्च करने के लिए अतिरिक्त राशि उपलब्ध होने लगेगी, जिसे वे अन्य पदार्थों को खरीदने में खर्च कर सकेंगे। साथ ही, ऋण पर ब्याज राशि कम होने से विभिन्न उत्पादक कम्पनियों की लाभप्रदता में वृद्धि होगी क्योंकि उन्हें अब बैंकों से लिए गए ऋण पर कम ब्याज देना होगा। लाभप्रदता में होने वाली इस अतिरिक्त वृद्धि के चलते यह कम्पनियां अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के बारे में गम्भीरता से विचार करेंगी क्योंकि उत्पादों की होने वाली मांग में वृद्धि की पूर्ति जो करनी है।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जून 2025 माह में घोषित मौद्रिक नीति को अर्थशास्त्रियों एवं बैंकिंग जगत के विशेषज्ञों द्वारा हाल ही के वर्षों में घोषित की गई सबसे बेहतरीन मौद्रिक नीति माना जा रहा है। इस मौद्रिक नीति को भारत के शेयर बाजार ने भी दिनांक 6 जून 2025 को त्वरित सकारात्मक उत्तर दिया और निफ्टी एवं सेन्सेक्स में एक प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। ब्याज दरों से जुड़े क्षेत्रों विशेष रूप से बैंकिंग, रीयल एस्टेट एवं ऑटो क्षेत्र की कम्पनियों के शेयरों में जोरदार उछाल देखने को मिला है। दरअसल अधिकतर अर्थशास्त्री रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की उम्मीद कर रहे थे परंतु भारतीय रिजर्व बैंक ने 50 आधार बिंदुओं की कमी की घोषणा करते हुए अपनी आक्रात्मक नीति का परिचय दिया है। अतः रेपो दर में उम्मीद से अधिक कटौती होने पर निवेशकों का भारतीय कम्पनियों, विशेष रूप से वे कम्पनियां जो घरेलू मांग एवं ऋण पर निर्भर रहती हैं, पर भरोसा बढ़ा है।

भारतीय कम्पनियों की लाभप्रदता एवं उत्पादों की बिक्री में लगातार हो रहे तेज सुधार के चलते इन भारतीय कम्पनियों की साख अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी बढ़ेगी। आगे आने वाले समय में यह कम्पनियां बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का स्वरूप भी ले सकती हैं। और फिर, ब्याज दरों में लगातार की जा रही कमी के चलते इन कम्पनियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की उत्पादन लागत भी कम होगी जिससे इन कम्पनियों के उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। हां, भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने स्टैन्स को अकोमोडेटिव से न्यूट्रल जरूर कर दिया है जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर में आगे आने वाले समय में आवश्यकता पड़ने पर बढ़ौतरी कर सकता है। जबकि अकोमोडेटिव स्टैन्स में रेपो दर में केवल कमी करने की सम्भावना निहित रहती है। परंतु, आगे आने वाले समय में यदि मंहगाई की दर पर नियंत्रण बना रहता है जिसकी सम्भावना भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी की गई है और औसत मंहगाई दर के अनुमान को 4 प्रतिशत से घटाकर 3.70 प्रतिशत कर दिया गया है। अतः बहुत सम्भव है कि भारतीय रिजर्व बैंक को न्यूट्रल स्टैन्स के बावजूद रेपो दर में कमी ही करनी पड़ सकती है।

कुल मिलाकर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मंहगाई की दर में आई कमी एवं विकास दर में आई सुस्ती को देखते हुए रेपो दर एवं नकद आरक्षित अनुपात में आक्रात्मक रूप से की गई कटौती को एक सक्रिय निर्णय कहा जा सकता है। इससे अर्थव्यवस्था में खपत एवं निवेश को बढ़ावा मिलेगा, उत्पादों की मांग में वृद्धि होगी, उद्योग जगत अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के उद्देश्य से अपने पूंजीगत

उच्च शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटील का कृपाशंकर सिंह ने किया सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के उच्च एवं तंत्र शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटील का आज जन्मदिन है। सुबह से मिल रही लगातार बधाइयों और शुभकामनाओं के बीच पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह ने अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर का प्रतिरूप देकर उनका सम्मान किया तथा उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।इस अवसर पर ठाकुर कॉलेज समूह के चेयरमैन वी के सिंह उपस्थित रहे। कृपाशंकर सिंह ने महाराष्ट्र में उच्च तथा तंत्र शिक्षा में उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा स्वस्थ दीर्घायु की कामना की। चंद्रकांत पाटील ने जन्मदिन पर किए गए सम्मान के लिए कृपाशंकर सिंह को धन्यवाद दिया।

सीआईएसएफ और एसबीआई के बीच समझौता

मुंबई (उत्तरशक्ति)। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बीच तीन साल के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। इसके तहत सीआईएसएफ के सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मियों को विशेष बैंकिंग और वित्तीय लाभ प्रदान किए जाएंगे। मुख्य लाभ और सुविधाएं 50 लाख तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा (मृत्यु कवर) जीरो बैलेंस खाता और मुफ्त डेबिट कार्ड एसबीआई एटीएम पर असीमित लेनदेनअन्य बैंकों के एटीएम पर प्रति माह 10 मुफ्त ट्रांजेक्शन मुफ्त डिमांड ड्राफ्ट और ऑटो स्वीप सुविधा बैंक लॉकर किराए पर 10% की छूट समझौते पर हस्ताक्षर नई दिल्ली स्थित सीआईएसएफ मुख्यालय में सोमवार को उप महानिरीक्षक रेखा नांबियार और एसबीआई की महाप्रबंधक रंजना सिन्हा ने समझौते पर दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य सीआईएसएफ कर्मियों को बेहतर वित्तीय सेवाएं और सुरक्षा प्रदान करना है।

अवैध निर्माण पर चला मनपा के बुलडोजर

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। तारकेश्वर पांडे मीरा भायंदर काशीमीरा प्रभाग क्रमांक 6 में बड़े पैमाने पर हो रहा है ठेकेदारों वो भूमाफिया द्वारा अवैध बांध काम वो रूम का निर्माण जिसपर अतिक्रमण विभाग मनपा अधिकारी श्रीमती प्रियंका भोसले के निर्देश वो मार्गदर्शन में तोडक कारवाई किया गया, जिसमें मांडवी पाड़ा, ढाचकुल पाड़ा काजू पाड़ा में प्रभाग अधिकारी व साफ सुथरा तेज तर्रार ईमानदार छवि रखनेवाली प्रभाग अधिकारी श्रीमती प्रियंका भोसले के निर्देश पर यह कारवाई किया गया। उनसे सवाल पूछे जाने पर अधिकारी ने बताई कि नियम अनुसार निरंतर कारवाई होती रहेगी। अब आगे देखना यह होगा कि अधिकारी श्रीमती प्रियंका भोसले ने बांध काम पर अंकुश लगा पाती है या फिर ऐसे ही चलता रहेगा अवैध कारोबार।

पेटीएम ने पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी सुविधा पेश की

मुंबई। पेटीएम ने पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी पेश की है, जिससे गोपनीयता को बेहतर बनाया गया है और मोबाइल पेमेंट करने का अधिक लचीला तरीका प्रदान किया गया है। यह प्रगति कंपनी की यह प्रतिबद्धता दर्शाती है कि वह रोजमर्रा के डिजिटल पेमेंट्स को सरल और सुरक्षित बनाना चाहती है। यह नई पेशकश नाम@पीटीएस या नाम@पीटीएक्सिस जैसी पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी चुनने की अनुमति देती है, जिससे व्यक्ति बिना अपना मोबाइल नंबर बताए पैसे भेज और प्राप्त कर सकते हैं। यह वर्तमान में यस बैंक और एक्सिस बैंक द्वारा जारी किए गए हैंडल्स पर लाइव है और जल्द ही अन्य बैंकिंग भागीदारों तक विस्तारित की जाएगी।

चाहे आप किसी दुकानदार को पेमेंट कर रहे हों, किसी डिलीवरी कार्यकारी के साथ भुगतान निपटा रहे हों, या किसी नए वेंडर को पैसा ट्रांसफर कर रहे हों, पेटीएम भारत में सबसे विश्वसनीय और सुरक्षित भुगतान का तरीका बना हुआ है। पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी के साथ, पेटीएम अब और अधिक गोपनीयता प्रदान करता है। जब कोई उपयोगकर्ता अपनी पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी का उपयोग करके पैसा भेजता या प्राप्त करता है, तो उसका मोबाइल नंबर लेनदेन विवरण से छिपा रहता है। यह व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा करता है, साथ ही उपयोगकर्ताओं को एक अद्वितीय और आसानी से पहचान योग्य भुगतान पहचान बनाने की अनुमति देता है। यह एक सहज अनुभव है, जिसे विश्वास, सुरक्षा और रोजमर्रा की सुविधा के लिए बनाया गया है। पेटीएम प्रवक्ता ने कहा, हमने पेमेंट्स में अधिक विकल्प और गोपनीयता प्रदान करने के लिए पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी पेश की है। हमने अपने ग्राहकों से फीडबैक सुना, जो अपने मोबाइल नंबर को निजी रखना चाहते थे, और इस जरूरत को पूरा करने के लिए यह समाधान तैयार किया। हम ऐसे विचारशील नवाचारों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो पेमेंट्स को सभी के लिए अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाते हैं।

विद्यार्थी गुणगौरव समारोह आयोजित कर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को किया गया सम्मानित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। कुणबी समाजोन्नती संघ, पालघर तथा कुणबी शिक्षक विकास मंच के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थी गुणगौरव समारोह का आयोजन बोईसर के डॉन बॉस्को स्कूल सभागार में भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में 10वीं और 12वीं के होनहार विद्यार्थियों के साथ-साथ समाज के उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान किया गया।

समारोह की अध्यक्षता समाज के वरिष्ठ मार्गदर्शक चंद्रकांत नारायण घरत (नि. दहिसर) ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को आगामी शैक्षणिक जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं और समाज के उत्थान के लिए युवाओं को आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हम सब समाज का हिस्सा हैं, और समाज के लिए कार्य करना हमारा कर्तव्य है। शिक्षा, संस्कृति, रोजगार व खेल क्षेत्र में भी हमें संगठित प्रयास करने होंगे।

मुख्य वक्ता विवा कॉलेज, विरार की प्रा. डॉ. शुभम राजेश पाटील (नि. नवली) ने एसडबल्यूओटी विश्लेषण की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मचिंतन करते हुए अपनी ताकत व कमजोरियों की पहचान कर, अवसरों का लाभ उठाने और संभावित जोखिमों से सतर्क रहने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में समाज के विशिष्ट शिक्षकों में प्रा. डॉ. धीरज राऊत, सोनोपंत दांडेकर कनिष्ठ महाविद्यालय, पालघर, प्रा. डॉ चिन्मयी दिपेश चुरी, गोखले शिक्षण संस्था, बी.एड. कॉलेज, परेल, मुंबई, प्रीतम यशवंत घरत, अध्यक्ष,

जिला कला अध्यापक मंडल, संजीला राऊत, तहसील पुरस्कार विजेता, जि.प. विद्यालय, कुरगाव, प्रणिता हतोश राऊत, जि.प. विद्यालय, कुडण, मुख्याध्यापक नरेंद्र रामचंद्र घरत, डॉ. स.दा. वर्तक विद्यालय, हिंदी माध्यम, बोईसर, प्रज्ञा पाटील, प्राथमिक विभाग, सी.टी.ई.एस. विद्यालय को शॉल, स्मृतिचिन्ह, पुष्पगुच्छ व उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।

डॉ. धीरज राऊत ने अपने उत्तर भाषण में कहा, गुणों के आधार पर चयन तो होता है, लेकिन निरंतर मेहनत, धैर्य और लक्ष्य निर्धारण से कोई भी छात्र ऊँचाइयों तक पहुंच सकता है। डॉ. चिन्मयी चुरी ने उच्च शिक्षा को आवश्यक बताते हुए कहा, शिक्षा कभी व्यर्थ नहीं जाती। आत्मविश्वास रखें और परिश्रम करें, सफलता अवश्य मिलेगी। इस वर्ष दसवीं कक्षा के गुणगौरव प्राप्त विद्याथीर्यों में प्रथम स्थान तीर्थ भारतभूषण घरत (96%) नि. नवली, द्वितीय स्थान जतन विशाल घरत (95.80%) नि. नवली, तृतीय स्थान साची सचिन घरत (95.60%) नि. पास्थल तथा बारहवीं कक्षा के विज्ञान शाखा के आर्य आनंद राऊत (86%) सीबीएसई बोर्ड, नि. अक्करपट्टी, वाणिज्य शाखा के जिज्ञास प्रीतम चुरी झ नि. दहिसर, कला शाखा के कनवी भालचंद्र घरत झ नि. धनसार के नाम शामिल हैं।

ज्ञात हो कि इन विद्यार्थियों को दिवंगत समाजसेवी स्व. राजन किडू घरत (नि. धनसार) की स्मृति में, उनके द्वारा संघ को प्रदान की गई निधि के व्याज से नकद पुरस्कार प्रदान किये गये। कार्यक्रम में प्रणित सदाशिव पाटील, मनोज चिंतामण घरत, अतुल घरत आदि ने समाज की भूमिका पर प्रकाश डाला।

आचार्य पवन त्रिपाठी ने अपने घर पर किया मुख्यमंत्री का सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जनता के साथ-साथ पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकताओं और निजी संबंधों का भी विशेष ध्यान रखते हैं।

यही कारण है कि अत्यंत व्यस्तता के बावजूद वे समय निकालकर अपने लोगों से मुलाकात कर ही लेते हैं। बीती रात वे श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष तथा भाजपा के मुंबई उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी के गोरेगांव स्थित आवास पर पहुंच गए, जहां उन्होंने न सिर्फ रात्रि भोज किया अपितु उनके परिवार जनों से भी पारिवारिक माहौल में बातचीत की। आचार्य पवन त्रिपाठी ने विघ्नविनाशक गणपति बप्पा की मूर्ति और पुष्पगुच्छ देकर उनका सम्मान किया। आचार्य पवन त्रिपाठी तथा उनके परिवार जनों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

विश्व नेत्रदान दिवस के अवसर पर डॉ. विंदा भुस्कुटे द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन संपन्न

कल्याण (उत्तरशक्ति)। विश्व नेत्रदान दिवस के अवसर पर अक्षरमंच सामाजिक संस्कृति प्रतिष्ठान के अखंड वाचन यज्ञ के अंतर्गत डॉ. विंदा भुस्कुटे द्वारा लिखित पुस्तक ' डोळ्यांवर बोलू काही का विमोचन कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त हर्षल गायकवाड़ द्वारा किया गया। पुस्तक का अभिनंदन करते हुए अतिरिक्त आयुक्त हर्षल गायकवाड़ ने कहा, डॉ. विंदा भुस्कुटे द्वारा लिखित इस छोटी सी पुस्तक ने आँखों के विषय के विभिन्न पहलुओं पर इस तरह से प्रकाश डाला है जिसे बच्चे भी समझ सकते हैं। बच्चों की तरह परिवार के हर सदस्य को यह पुस्तक पढ़नी चाहिए और दृष्टिदान के विषय को

फैलाना चाहिए।₹ इस अवसर पर पुस्तक की लेखिका एवं शिक्षाविद् डॉ. विंदा भुस्कुटे, अंगदान आंदोलन के प्रवर्तक एवं द फेडरेशन ऑफ ऑर्गन एंड बॉडी डोनेशन के पदाधिकारी नागराजन अय्यर, जायंट्स ग्रुप ऑफ कल्याण मेन के सुरेशभाई सुचक, कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका की कार्यकारी अभियंता रोहिणी लोकरे, अक्षरमंच सामाजिक संस्कृति प्रतिष्ठान के सचिव एवं संपादक हेमंत नेहते तथा अन्य गणमान्य उपस्थित थे। अखंड वचन यज्ञ के प्रणेता एवं अक्षरमंच सामाजिक संस्कृति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष द्वारा परिकल्पित इस पहल को द फेडरेशन ऑफ ऑर्गन एंड बॉडी डोनेशन, जायंट्स ग्रुप ऑफ कल्याण मेन एवं सहेली ग्रुप का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ है। संस्था का इरादा इस श्रृंखला में वर्ष भर रक्तदान, अंगदान एवं देहदान विषयों पर पुस्तकें प्रकाशित करने का है। इस पुस्तक पर आधारित स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। यह पूरी गतिविधि छात्रों के लिए निःशुल्क है और इसमें भाग लेने वाले सभी छात्रों को ई-प्रमाणपत्र दिए जाएंगे तथा अखंड वाचन यज्ञ गतिविधि में विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

वटपूर्णिमा के अवसर पर चांदिवली में हजारों महिलाओं को निःशुल्क कटहल वितरित किया गया

मुंबई(उत्तरशक्ति)। पिछले कई वर्षों से चांदिवली विधानसभा क्षेत्र में शिवसेना विधायक दिलीप (मामा) लांडे ने महाराष्ट्र की संस्कृति और परंपरा को संरक्षित करने तथा महिलाओं के सौभाग्य की रक्षा करने के उद्देश्य से शनिवार, 7 जून से सोमवार, 9 जून, 2025 तक तीन दिनों के लिए वटपूर्णिमा उत्सव के अवसर पर हजारों महिलाओं को निःशुल्क फणस वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया । बता दें कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विधायक दिलीप लांडे ने वटपूर्णिमा उत्सव के अवसर पर चांदिवली विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में निःशुल्क फणस वितरित किया। विधायक दिलीप (मामा) लांडे की ओर से

शनिवार, 7 जून, 2025 को वैशाली मैदान, एल.बी.एम. नगर, साकीनाका में वार्ड क्रमांक 161, श्री गणेश मंदिर, गणेशनगर, पंचकुटीर, पवई, तथा एचडीआईएल कॉम्प्लेक्स, वार्ड क्रमांक 164 में निःशुल्क जनेऊ वितरित किया गया। रविवार 8 जून 2025 को प्रीमियर कॉलोनी, कुर्ला पश्चिम में, वार्ड क्रमांक 157 म्युनिसिपल स्कूल, संघर्ष नगर, चांदीवली में, साथ ही वार्ड क्रमांक 158 और 159 झुंजार क्रीड़ा मंडल, परेरवाड़ी, साकीनाका में निःशुल्क जनेऊ वितरित किया गया। सोमवार 9 जून 2025 को वार्ड क्रमांक 160 छत्रपति शिवाजी मैदान, रॉयल मैदान, मिलिंदनगर, असल्फा, तथा शिवाजी विद्यालय, काजूपाड़ा, कुर्ला पश्चिम में वार्ड क्रमांक 162, 163, और 164 की महिलाओं के लिए जनेऊ वितरित किया गया। तीन दिनों तक चले इस निःशुल्क जनेऊ वितरण कार्यक्रम में लगभग 19 हजार महिलाओं को उनकी बहनों को जनेऊ वितरित किए गए। इस अवसर पर चांदिवली विधानसभा क्षेत्र के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

करण जौहर की ऑक्सीलाईफ सैलून प्रोफेशनल के साथ साझेदारी

मुंबई। डाबर इंडिया के प्रीमियम सैलून स्किनकेयर ब्राण्ड ऑक्सीलाईफ सैलून प्रोफेशनल ने अपनी डर्मा एसेंस रेंज के तहत दो अडवान्स फेशियल ट्रीटेमेन्ट किट लॉन्च किए हैं- इंटेंस ब्राईट और सेंसी-केयर। इसके साथ कंपनी जाने-माने फिल्मनिमार्ता एवं स्टाइल आइकन करण जौहर के साथ एक नया कैंपेन स्किनश्योरेन्स विद ऑक्सीलाईफ भी लेकर आई है। नए सैलून-एक्सक्लुजिव फेशियल किट आधुनिक स्किनकेयर साइंस और डमेटोलोजिस्ट जैसी देखभाल के साथ तुरंत रिजल्ट देते हैं और लम्बे समय तक त्वचा को चमकदार बनाए रखते हैं। इस रेंज के लॉन्च के लिए ऑक्सीलाईफ, बोल्ड एवं डिजिटल-फर्स्ट कैंपेन भी लेकर आया है, जिसमें करण जौहर अपने चेहरे को इंश्योर कराने की बात कहकर दर्शकों का ध्यान अपनी और खींच रहे हैं। करण जौहर का नया कैंपेन स्किनश्योरेन्स विद ऑक्सीलाईफ इस बात पर रोशनी डालता है कि किस तरह चमकदार त्वचा आपको भीतर से आत्मविश्वास देती है। कैंपेन में करण बताते हैं कि ऑक्सीलाईफ के अडवान्स्ड फेशियल ट्रीटमेन्ट्स विज्ञान एवं प्रकृति का संयोजन हैं जो त्वचा की बखूबी देखभाल कर इसे सुरक्षित रखते हैं। यह कैंपेन स्किनकेयर के जरिए आत्मविश्वास को बढ़ावा देता है और दर्शकों को बताता है कि ऑक्सीलाईफ के प्रोडक्ट्स त्वचा को प्राकृतिक चमक देते हैं। कैंपेन के बारे में बात करते हुए अभिषेक जुगरान, एक्जक्टिव वाईस प्रेजीडेन्ट, मार्केटिंग, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा, ऑक्सीलाईफ सैलून प्रोफेशनल पोर्टफोलियो के तहत अडवान्स्ड फेशियल ट्रीटमेन्ट किट्स की नई रेंज को लॉन्च करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। इस लॉन्च के साथ हमने प्रीमियम सैलून स्किनकेयर सेगमेन्ट में अपनी मौजूदगी को और बढ़ा लिया है। यह लॉन्च स्किनकेयर की आधुनिक जरूरतों के अनुसार डमेटोलोजिस्ट-इंस्पायर्ड प्रोफेशनल ग्रेड सोल्ल्युशन्स उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। ऑक्सीलाईफ के साथ इस साझेदारी पर बात करते हुए करण जौहर ने कहा, जब मैंने स्किनश्योरेन्स के बारे में सुना, तो मैं समझ गया था कि यह मेरे तरीके का इंश्योरेन्स है! चेहरे की चमक एक असेट है, इसे फुल कवरेज मिलना चाहिए। इस कैंपेन के साथ जुड़कर बहुत अच्छा लगा, जो स्किनकेयर और स्टोरीटैलिंग के संयोजन के साथ एक नई चमक लेकर आता है। डाबर इंडिया लिमिटेड में स्किनकेयर के हैड विराट खन्ना ने कहा, हमारे नए ऑक्सीलाईफ सैलून प्रोफेशनल फेशियल किट्स का लॉन्च सैलून स्किनकेयर को बदलने के लिए तैयार है। वहीं करण जौहर स्किनश्योरेन्स विद ऑक्सीलाईफ कैंपेन में ग्लैमर का तड़का लगा रहे हैं। हमें विश्वास है कि इंस्टेन्ट और लॉन्ग-लास्टिंग रिजल्ट देने वाले हमारे फेशियल किट आज के समझदार उपभोक्ताओं की स्किनकेयर संबंधी जरूरतों को पूरा करेंगे।

कल्याण स्टेशन परिसर में अनैतिक धंधे व अस्वच्छता के खिलाफ बेमुदत अनशन

- अनैतिक व्यापार बंद मतलब बंद-रानी कपोते, उपोषणकर्ता
- 11 दिनों से जारी है अनिश्चितकालीन आंदोलन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण स्टेशन परिसर में अवैध धंधे और अस्वच्छता को मुद्दा बनाकर एक अकेली महिला ने पुलिस और महापालिका प्रशासन दोनो के खिलाफ अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया है। बीते 11 दिनों से समाजसेविका रानी दिलीप कपोते स्टेशन परिसर में अनशन पर बैठी है। उन्होंने आरोप लगाया कि 11 दिन हो गए लेकिन प्रशासन ने अभी तक

उनकी मांगों का गंभीरता से संज्ञान नहीं लिया। इस विषय में रानी कपोते का कहना है कि कल्याण शहर एक ऐतिहासिक शहर है। लेकिन स्टेशन परिसर में जारी अनैतिक व्यापार और गंदगी के चलते शहर की दुर्दशा हो गई है। कपोते ने कहा कि वैश्यावृत्ति, मटका जुगार के अड्डे, नशेड़ी, गरदुल्ले, ड्रग्स की बिक्री, अवैध फेरीवाले, यातायात की समस्या, विकासकार्यों में देरी जैसी अनेक समस्याओं से स्टेशन परिसर घिरा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि अनियोजित विकास काम एवं प्रशासन की उदासीनता के कारण शहर की हालत खराब है। कपोते ने मांग की है कि स्टेशन परिसर पूरी तरह से साफ होना चाहिए। यहां अनैतिक धंधों पर पूरी तरह से रोक लगाई जानी चाहिए। जबतक यह सब बन्द नही होगा उनका अनशन जारी रहेगा ।

एनसीपी के स्थापना दिवस पर बोले शरद पवार, कभी नहीं सोचा था पार्टी में दरार आएगी

मुंबई। एनसीपी (सपा) प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि 26 साल पहले उनके द्वारा सह-स्थापित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन होगा और उन्होंने चुनौतियों के बावजूद इसे आगे बढ़ाने के लिए अपने संगठन के कार्यकताओं की सराहना की। पवार एनसीपी के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जिसका विभाजन 2023 में होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन आप बिना हतोत्साहित हुए पार्टी को आगे ले जाते रहे। पार्टी में विभाजन हुआ। हमने कभी नहीं सोचा था कि पार्टी में विभाजन होगा, लेकिन ऐसा हुआ।

पवार ने कहा कि कुछ लोग दूसरी विचारधाराओं के साथ चले गए और यह विभाजन और बढ़ गया। मैं आज इस बारे में बात नहीं करना चाहता। लेकिन जो लोग पार्टी के प्रति वफादार रहे, वह हमारी पार्टी की विचारधारा के कारण था। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनावों में एक अलग तस्वीर सामने आएगी। जुलाई 2023 में शरद पवार के भतीजे अजित पवार के तत्कालीन शिवसेना-भाजपा गठबंधन सरकार में शामिल होने के बाद एनसीपी का विभाजन हो गया। पार्टी का नाम और उसका घड़ी चिह्न अजित पवार गुट को दिया गया, जबकि पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री के नेतृत्व वाले गुट को एनसीपी (शरदचंद्र पवार) नाम दिया गया। वरिष्ठ राकांपा नेता (शरदचंद्र पवार) जयंत पाटिल ने सोमवार को महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की इच्छा जताते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि पार्टी नए चेहरों को मौका दे। पाटिल पुणे में राकांपा (सपा) के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहां पार्टी प्रमुख शरद पवार और अन्य वरिष्ठ नेता मंच पर मौजूद थे। पाटिल ने कहा कि पवार साहब ने मुझे कई मौके दिए। मुझे सात साल का कार्यकाल दिया गया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हा. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

माँ ने अपने 5 वर्षीय पुत्री व 3 वर्षीय पुत्र का गला घोंटा, पुत्री की मौत, पुत्र अस्पताल में भर्ती

मुहम्मद आरिफ

मेहनगर, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। पुत्र कुपुत्र हो सकता है, माता कुमाता नहीं, यह कहानी चरितार्थ करते हुए माँ ने अपने ही 5 वर्षीय पुत्री व 3 वर्षीय पुत्र का गला घोंट दिया जिससे पुत्री की मौत हो गयी जबकि पुत्र को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताते चलें कि थाना क्षेत्र ग्राम गौरा गांव निवासी सुनील यादव पुत्र जियालाल यादव लखनऊ राजधानी में चार पहिया वाहन चालक है। अपने सगे भाई मनीष यादव की शादी में 20 दिन पूर्व परिवार के साथ घर आया था। मंगलवार को लखनऊ जाने से एक दिन पहले सोमवार को देररात्रि पत्नी ने अपने ही दोनों बच्चों को मारपीट रही थी। पति के मना करने पर नागवार लगा उग्र रूप धारण कर स्वयं को अपने को फाँसी लगाने को दौड़ने लगी लोगो ने पकड़ लिया। इसके बावजूद नही मानी देररात्रि अपनी 5 वर्षीय पुत्री का गला घोंटकर मौत के घाट उतार दी, वही 3 वर्षीय पुत्र मौत से घोंटने से जीवन मौत से आजमगढ़ निजी अस्पताल में जूझ रहा है। मौत की सूचना पर घटना स्थल पहुँची मेंहनगर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने विधिक कार्यवाही कर मर्चरी हाउस भेज दिया। पति ने मेंहनगर पुलिस को पत्नी के विरुद्ध तहरीर दिया है।

पत्रकारों के साथ अभद्रता बर्दाश्त नहीं: तामीर हसन शीबू

पत्रकार उत्पीड़न पर उबाल: राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद ने सौंपा ज्ञापन, सीओ सिटी व चौकी प्रभारी को निलंबित करने की उठी मांग

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बांदा जनपद में वरिष्ठ पत्रकार व राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के युवा जिलाध्यक्ष नीरज निगम के साथ हुई कथित पुलिसिया अभद्रता और उत्पीड़न के विरोध में पत्रकारों में जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद (पंजीकृत) ने इस पूरे मामले को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला बताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा के आह्वान पर जौनपुर इकाई ने जिलाधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद का कहना है कि 2 जून 2025 की रात सीओ सिटी राजीव प्रताप सिंह व सिविल लाइन चौकी प्रभारी शिवरतन गुप्ता ने पत्रकार नीरज निगम को फोन कर कोतवाली बुलाया और वहां उनके साथ अभद्र भाषा में बातचीत की गई, गाली-गलौज व मानसिक उत्पीड़न किया गया। इस घटना के बाद उनके विरुद्ध एफआईआर संख्या 0509 दर्ज की गई, जिसे परिषद ने फर्जी और तथ्यहीन करार देते हुए तत्काल निरस्त करने की मांग की है।ज्ञापन में परिषद की चार प्रमुख मांगे इस प्रकार हैं। 1. पत्रकार नीरज निगम को झूठे मुकदमे में फंसाने वालों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाए। 2. सीओ सिटी राजीव प्रताप सिंह व चौकी प्रभारी शिवरतन गुप्ता को तत्काल निलंबित

कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाए। 3. एफआईआर संख्या 0509 में दर्ज सभी फर्जी धाराएं रद्द की जाएं। 4. पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच किसी स्वतंत्र उच्चाधिकारी से कराई जाए। इस अवसर पर राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के जौनपुर जिलाध्यक्ष तामीर हसन शीबू ने कहा, 'कलम हमारी, आवाज आपकी' के सिद्धांत पर चलने वाले पत्रकारों को यदि झूठे मुकदमों में फंसाया जाएगा तो यह लोकतंत्र के लिए घातक संकेत होगा। उन्होंने चेताया कि यदि मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो परिषद राज्यव्यापी आंदोलन के लिए बाध्य होगी, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से शशिकांत मौर्य, राजेश गौतम, सुरेश शर्मा, संजय कुमार सिंह, डॉ. इम्तियाज सिद्दीकी, इजहार हुसैन, मनीष श्रीवास्तव, रियाजुल हक, राहुल गुप्ता, अनवर हुसैन, अमित तिवारी, रवि केसरी, कलीम सिद्दीकी, मोहम्मद हारून मो. अल्ताफ, रवि सिन्हा, जितेन्द्र बहादुर सिंह, कपिल देव सिंह, गंगेश निगम, सिकंदर भारती, हिमांशु विश्वकर्मा, अभिषेक पटेल, सोनू गुप्ता, आशीष मौर्य, रोहित पटेल सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।परिषद ने इस मामले को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताते हुए चेताया है कि लोकतंत्र को कमजोर करने वाले किसी भी प्रयास का हर मोर्चे पर विरोध किया जाएगा।

अवसरों की उड़ान को तैयार है पूर्वांचल विश्वविद्यालय

जॉब फेयर-2025: सैकड़ों लोगों को मिलेगा रोजगार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में रोजगार के रंगमंच पर अब नए अध्याय की रचना होने जा रही है। केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 12 और 13 जून को 'जॉब फेयर:2025' का भव्य आयोजन किया जा रहा है, जहां अवसर अपने पंख फैलाकर प्रतिभाओं को गले लगाने को आतुर है इस मेगा इवेंट में देश की प्रतिष्ठित 8 कंपनियां– एईएलजीआई, इंटेलिस्मार्ट प्राइवेट लिमिटेड, वी प्रोटेक्ट, क्रेडियलो, आरबीएल बैंक, एसबीआई कार्ड्स, टीमलीज एयरटेल एचडीओ इंजीनियरिंग– टीमलीज एयरटेल एक्स्ट्रीम फाइबर एक्सक्यूटिव शामिल होंगी। यह आयोजन विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं के लिए सुनहरा अवसर है, जहां करियर के द्वार खुलने को बेताब हैं।

कार्यक्रम की समीक्षा हेतु मंगलवार को कुलपति सभागार में बैठक आयोजित हुई,

जिसमें कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा, पूर्वांचल विश्वविद्यालय केवल ज्ञान का मंदिर नहीं, संभावनाओं की प्रयोगशाला है, जहां हर विद्यार्थी का भविष्य तराशा जाता है। यह जॉब फेयर युवाओं के आत्मविश्वास को नया आकाश देगा। अलंकारों की छाया में यह जॉब फेयर पूर्वांचल की धरती पर रोजगार की नई रोशनी लेकर आएगा। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा, यह आयोजन विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि वह छात्रों को केवल डिग्री नहीं, दिशा भी देता है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए प्लेसमेंट समन्वयक प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा, यह केवल एक जॉब फेयर नहीं, बल्कि सपनों की सीढ़ी है, जो छात्रों को करियर की ऊँचाइयों तक पहुंचाएगी। उप समन्वयक सुशील कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रकोष्ठ की विविध गतिविधियों को रेखांकित किया। छात्र-छात्राओं में इस आयोजन को लेकर गहरी उत्सुकता है, मानो प्रयासों की पुकार अब प्राप्ति की पुकार में बदलने को है।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह, उपकुल सचिव अमृतलाल अजीत प्रताप सिंह, बबीता कुमारी, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. राजकुमार, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ. रसिकेश, डॉ.मुनींद्र सिंह, डॉ. सुजीत चौरसिया, डॉ. विवेक पांडेय डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. चंदन सिंह, समेत कई शिक्षक और विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

पुलिस बूथ के सामने घंटों चलता रहा दबंगों का नंगा नाच, चिल्लाता रहा घायल युवक, पुलिस नदारद!

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। करीब आधा दर्जन दबंगों ने 24 वर्षीय युवक को दिनदहाड़े पुलिस बूथ के सामने लात-घूंसों और ईंटों से इस कदर पीटा कि उसका सिर फट गया और शरीर पर जगह-जगह गंभीर चोटें आईं। ये सब उस जगह हुआ जहां 24 घंटे पुलिस की तैनाती होती है। लेकिन हैरानी की बात ये रही कि पुलिस को भनक तक नहीं लगी!

पीड़ित युवक, तालिब, जो लालपुर गांव का रहने वाला है और सवारी ढोने का काम करता है सिर्फ इस बात पर पिट गया कि सवारी बैठाने को लेकर एक जिप चालक से उसकी बहस हो गई थी। जीप चालक ने अपने साथियों को बुलाया और तालिब पर कहर बनकर टूट पड़े। पुलिस बूथ के सामने मदद की गुहार लगाता तालिब रहम की भीख मांगता रहा, लेकिन न कोई सिपाही दिखा, न ही कोई मददगार।

जिस वक्त वह लहूलुहान हालत में खुद थाने पहुंचा। उम्मीद थी कि इंसाफ मिलेगा, लेकिन वहां तो उसे उल्टे बिठा लिया गया। खून गिरता रहा, चक्कर आते रहे, लेकिन पुलिस ने इलाज तक कराने से इनकार कर दिया। वजह? पीड़ित का आरोप है कि दबंगों की पुलिस से 'सेटिंग' थी, जिसके चलते पुलिस ने आंख मूंद ली। चार-पांच घंटे तक तड़पने के बाद उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेहटी भेजा गया, जहां उसके सिर में कई टांके लगे। सवाल यह है क्या जलालपुर में अब दबंग तय करेंगे इंसाफ? क्या पुलिस बूथ अब सिर्फ दिखावे के लिए है? यह घटना न सिर्फ कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा करती है, बल्कि आम आदमी की सुरक्षा पर भी गहरा धब्बा छोड़ जाती है। जब पुलिस बूथ के सामने भी कोई सुरक्षित नहीं, तो फिर आखिर कहां है जनता के हक का रक्षक।

नशे में धुत युवतियों ने किया हंगामा, ठंडा पानी न देने पर दुकान में की तोड़फोड़

सिकरारा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र अंतर्गत पकड़ी चौराहे (सिकरारा ब्लाक) पर मंगलवार सुबह नशे में धुत दो युवतियों ने जमकर बवाल काटा। मिठाई व गुटखा खाने के बाद ठंडा पानी न देने पर दुकानदार को गालीगुप्ता देते हुए दुकान के कांच के शोकेश पर तोड़ फोड़ भी की। मौके पर पहुँची बक्शा पुलिस से भी बदसलूकी की। भरी भीड़ के बीच ऑटो पर सवार होकर रफूचक्कर हो गई।

पकड़ी चौराहे पर मैनुद्दीनपुर गांव के राम अजोर यादव की मिठाई व चाय पान की दुकान है। दुकान पर उनके बेटे प्रशांत यादव बैठे थे मंगलवार सुबह नौ बजे दो युवतियां पहुँचकर दुकानदार से मिठाई व गुटखा लेने के बाद ठंडे पानी की मांग की। दुकानदार ने बताया कि रात में लाइट नहीं थी इसलिए पानी ठंडा नही मिलेगा, जिस उक्त युवतियां दुकानदार पर बिफर पड़ी, गाली गलौज करने के साथ ईट से दुकान के कांच के शो केश तोड़ दिए। दुकानदार ने रोकने की कोशिश की तो उससे भी उलझ गई। किसी ने बक्शा पुलिस को फोन कर दिया। मौके पर फतेहगंज चौकी प्रभारी महिला कांस्टेबल के साथ पहुँचकर उक्त युवतियों को रोकने की कोशिश की लेकिन दोनो नशे में धुत थी वे चौकी प्रभारी से भी उलझ गई मौके पर भारी तादात में तमाशबीन भी जुट गए लोग वीडियो भी बना रहे थे पुलिस एम्बुलेंस बुलाकर दोनो को अस्पताल भेजने की कोशिश की लेकिन वे एम्बुलेंस पर नही बैठी इस बीच जौनपुर शहर की तरफ एक ऑटो आता देख उस पर बैठकर रफूचक्कर हो गई।दोनो युवतियों के बारे में बताया जा रहा है कि वे लखौआ गांव में रिश्तेदारी में आई हुई थी।

सबरहद फीडर की बदहाल बिजली व्यवस्था से ग्रामीण बेहाल

- कागजों पर हो रही 24 घंटे विद्युत आपूर्ति, उपभोक्ता त्रस्त
- 65 साल पुराने तारों से जान को खतरा, आंदोलन की चेतावनी

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर-प्रदेश सरकार जहां एक ओर ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति का दावा कर रही है, वहीं जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। शाहगंज उपखंड के अंतर्गत आने वाले सबरहद फीडर से जुड़े गांवों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह चरमराई हुई है। उमस भरी भीषण गर्मी में एक घंटा भी लगातार बिजली न मिल पाने से उसरहटा, हाजी रफीपुर, अरंद, पाराकमाल, अरनौला, मोल्लापुर जैसे गांवों के लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं।

मौसम विभाग ने क्षेत्र में तापमान के 43 डिग्री सेल्सियस को पार करने के बाद हीटवेव की चेतावनी जारी की है और इलाके को यलो जोन घोषित किया गया है। ऐसे में बार-बार बिजली का आना-जाना लोगों की जान जंजाल बन हुआ है। न पंखा चल पा रहा है, न कूलर और न ही बल्ब तक ठीक से जल पा रहा है। इस स्थिति ने बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, इस फीडर में लगे 65 साल पुराने 11 हजार वोल्टेज के तार अब जर्जर अवस्था में पहुंच चुके हैं, जो आए दिन टूटकर गिरते रहते हैं। इससे न केवल बिजली बाधित हो रही है, बल्कि जान-माल का खतरा भी बना हुआ है। लोगों ने कई बार विद्युत विभाग से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। एक निवासी ने बताया, इतनी पुरानी लाइनें हैं कि कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। बिजली की आंख-मिचौली ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि इस क्षेत्र के जनप्रतिनिधि भी इस समस्या से पूरी तरह बेखबर हैं। जनता की समस्याओं पर न तो उनका ध्यान है और न ही कोई पहल हो रही है। लोगों का कहना है कि देश जहां आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, वहीं शाहगंज विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण आज भी बिजली, पानी और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। व्यापारी वर्ग भी बिजली की अनियमितता से परेशान है। रातभर जागकर किसी तरह दिन काटना इन लोगों की मजबूरी बन चुकी है। लगातार बढ़ते कनेक्शन और लोड के कारण तारों पर अधिभार बढ़ रहा है, जिससे बार-बार टूटने की घटनाएं सामने आ रही हैं।

अब ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को ठीक नहीं किया गया, तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे। उनका कहना है कि यह आंदोलन तब तक चलेगा जब तक उन्हें नियमित, सुरक्षित और निर्बाध बिजली आपूर्ति की गारंटी नहीं मिलती। ऐसी स्थिति में व्यवस्थाएं सरकार के दावों पर सवाल खड़ा करती है, बल्कि बिजली विभाग की उदासीनता और जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता को भी उजागर करती है। यदि समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो यह संकट और भी भयावह रूप ले सकता है।

शाहगंज पुलिस ने चोरी के मुकदमे में नामजद आरोपी को किया गिरफ्तार

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना शाहगंज पुलिस टीम द्वारा चोरी के मुकदमें में नामजद आरोपी को किया गया गिरफ्तार, कब्जे से चोरी काा11000/-रुपया बरामद थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-188/2025 धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता 2023 से सम्बंधित आरोपी अमृतलाल यादव को थाना शाहगंज पुलिस टीम द्वारा वादी की सूचना पर दिनांक 09.06.2025 को समय 18:45 बजे सब्जी मंडी शाहगंज से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर धारा 317(2) भारतीय न्याय संहिता की वृद्धि की गई है। आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय भेजा गया।

पूर्व की घटना का संक्षिप्त विवरण: वादी मुकदमा अबु हुरैरा पुत्र एखलाख अहमद निवासी भटियारी सराय थाना शाहगंज जनपद जौनपुर द्वारा आरोपी अमृत लाल यादव के विरुद्ध खुद के ए0टी0एम0 चोरी कर एकाउंट से 360000 रुपए चुरा लेने के सम्बन्ध में मु0अ0सं0- 188/2025 धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता 2023 पंजीकृत कराया गया था।

जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी कार्यकत्री की सेवा किया समाप्त

तरवा,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने बताया कि तरवां परियोजना के रिक्त आंगनबाड़ी केंद्र रोवापार पर पूजा कुमारी की बी.पी.एल. वरीयता के आधार पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री के पद पर नियुक्ति की गई थी। उनकी नियुक्ति के लिए 01 अप्रैल 2025 को योगदान पत्र जारी किया गया था। हालांकि, नियुक्ति के बाद जितेन्द्र सिंह, निवासी शाहपुर, परगना देवगांव, तहसील लालगंज, ने शिकायत दर्ज की कि पूजा कुमारी ने एक ही माह में दो अलग-अलग आय प्रमाण पत्र फर्जी तरीके से

बनवाकर नौकरी हासिल की। जांच के दौरान मामला सही पाया गया। जिसके तहत जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार द्वितीय ने सेवा समाप्ति का आदेश जारी कर दिया क्योंकि नियुक्ति आदेश में स्पष्ट था कि यदि कोई दस्तावेज या सूचना असत्य, फर्जी या कूटरचित पाई जाती है, तो नियुक्ति रद्द कर दी जाएगी। शासनादेश के प्रावधानों के अनुसार, आय प्रमाण पत्र निरस्त होने के बाद जिला कार्यक्रम अधिकारी ने पूजा कुमारी को पक्ष रखने के लिए नोटिस जारी किया। उनके जवाब के आधार पर और शासनादेश के अनुरूप जिलाधिकारी ने पूजा कुमारी की मानदेय आधारित सेवा समाप्त करने का अनुमोदन कर दिया।

सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर हुआ हमला

मऊ(उत्तरशक्ति)। जनपद के रहने वाले सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र राजभर उर्फ कटप्पा को उनके साथी बृजेश राजभर ने जौनपुर के जफराबाद के आशापुर गाँव में सुहेलदेव जयंती के अवसर पर माला पहनाकर लाइव थप्पड़ मारा। जिसके बाद कार्यक्रम में हलचल मच गई है। वहीं महेंद्र राजभर ने कहा कि मेरे ऊपर हमला मंत्री ओमप्रकाश राजभर द्वारा कराया गया है।

ओमप्रकाश राजभर के पार्टी से महेंद्र लड़ चुके हैं चुनाव: महेंद्र राजभर ओमप्रकाश राजभर के करीबी रह चुके हैं। सुभासपा में

ओमप्रकाश राजभर पर लगाया हमले का आरोप

बगावत करके महेंद्र राजभर ने अपनी पार्टी बनाई है। गौरतलब है कि 2017 के विधानसभा चुनाव में महेंद्र राजभर बाहुबली माफिया मुख्तार अंसारी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के सिंबल से ओमप्रकाश राजभर के पार्टी के गठबंधन में चुनाव लड़े थे। जिसमें वह मुख्तार अंसारी से लगभग 6000 वोट से हार गए। इसी 2017 चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें मऊ की एक जनसभा में कटप्पा का खिताब दिया था।कहा था कि यही कटप्पा बाहुबली का सफाया करेगा। इस हमले के संबंध में महेंद्र राजभर ने जौनपुर के जलालपुर थाने में तहरीर दी है और ओमप्रकाश राजभर हमला करवाने का आरोप लगाया है।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से पत्नी की मौत, पति घायल

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के नवाब यूसुफ रोड पर चांद मेडिकल के पास आज मंगलवार की सुबह पति पत्नी बाइक से अपनी पत्नी को डी फार्मा का पेपर दिलवाने जौनपुर आया था कि जैसे ही वह कोतवाली थाना क्षेत्र के चांद मेडिकल के पास पहुंचा कि विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रैक्टर की चपेट में आ गया जिसमें प्रीति गौतम 30 वर्ष के ऊपर ट्रैक्टर का पिछला चक्का चढ़ गया और पति रवि गौतम 34 वर्ष भी घायल हो गया पति रवि गौतम अपनी पत्नी को ई-रिक्शा से लादकर जिला अस्पताल लाया जहां डॉक्टरों ने बेहतर उपचार के लिए वाराणसी रेफर कर दिया था लेकिन रास्ते में जाते वक्त पत्नी प्रीति गौतम की मृत्यु हो गई ।प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रीति गौतम पत्नी रवि गौतम सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र के बरैया काजी गांव के रहने वाले थे आज वह बाइक से अपनी पत्नी को डी फार्मा का पेपर दिलवाने जौनपुर आया था। मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया कोतवाली पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है, और आगे की कार्यवाही में जुट गई है वही ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर छोड़कर मौके से भाग गया था।

पचहटिया स्थित रामघाट पर अतिक्रमण और बिजली चोरी का लगा गम्भीर आरोप, जिलाधिकारी से हुई शिकायत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के पचहटिया स्थित ऐतिहासिक रामघाट पर अतिक्रमण और बिजली चोरी का गंभीर मामला सामने आया है। इस संबंध में रामघाट सेवा समिति ट्रस्ट के घाट प्रभारी रतन सिंह चौहान ने जिलाधिकारी को शिकायती प्रार्थना पत्र सौंपकर त्वरित कार्यवाही की मांग की है।प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सार्वजनिक स्थल पर लकड़ियाँ जमा कर कब्जा किया जा रहा है। इतना ही नहीं, मंदिर की जमीन पर बने पवित्र चबूतरे पर भी एक स्थायी दुकान रखकर अतिक्रमण किया गया है, जिससे न केवल धार्मिक आस्थाओं को ठेस पहुंच रही है, बल्कि रामघाट की पवित्रता भी भंग हो रही है। इसके साथ ही, बिजली चोरी का भी आरोप सामने आया है। प्रार्थी के अनुसार, दुकान संचालक द्वारा बिना किसी विधिक कनेक्शन के मंदिर परिसर से अवैध रूप से बिजली का उपयोग किया जा रहा है।

सार्वजनिक स्थल पर लकड़ी जमा कर अतिक्रमण, मंदिर चबूतरे पर अवैध दुकान

दुर्घटना को आमंत्रण देता जौनपुर सिटी स्टेशन मार्ग पर खुला मेन होल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जौनपुर सिटी स्टेशन स्थित चित्रगुप्त कालोनी गली नंबर एक के सामने बीच सड़क पर मेन होल के खुले होने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।स्टेशन होने के कारण यहां काफी संख्या में यात्री व स्थानीय लोग का आवागमन रहता है। ऐसे में कई दिन से खुला मेन होल दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। वहीं संबंधित विभाग गहरी नींद में सो रही है।बताते चले कि रेलवे ब्रिज के नीचे से जौनपुर सिटी स्टेशन की ओर जाने वाले मार्ग पर मेन होल का ढक्कन टूट जाने से खुल गया है जिससे बचाव हेतु स्थानीय लोगों ने बड़ा सा डंडा मेन होल में डाल दिया है। कई दिन बीत जाने के बाद भी जस का तस है। ऐसे में जिला प्रशासन का ध्यान इस ओर अपेक्षित है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री की पत्नी मंगलवार को वाराणसी के कैथी स्थित प्रसिद्ध मार्कण्डेय महादेव धाम पहुंचीं

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पत्नी कौशल्या साय अपने परिजनों के साथ मंगलवार को वाराणसी के कैथी स्थित प्रसिद्ध मार्कण्डेय महादेव धाम पहुंचीं।

यहां उन्होंने विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान मार्कण्डेय महादेव का दुग्धाभिषेक और पूजन किया। उन्होंने देश और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद कौशल्या देवी गंगा और गोमती के संगम स्थल पर पहुंचीं, जहां उन्होंने दोनों नदियों का जलार्चन कर आशीर्वाद लिया। संगम की अलौकिक छटा से सभी का मन भाव विभोर हो गया। उन्होंने वाराणसी में चल रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काशी का पूर्ण कायाकल्प हो रहा है। घाटों का सौंदर्यीकरण, साफ-सफाई, सड़क और धार्मिक स्थलों का पुनर्निर्माण काशी की सांस्कृतिक धरोहर को नया जीवन दे रहा है। स्थानीय लोगों ने उनका जोरदार स्वागत करते हुए स्मृति चिन्ह भेंट की। इस दौरान समाजसेवी विशाल यादव, सामाजिक कार्यकर्ता अनिमेष मिश्रा, भाजपा नेता अनिल यादव, राहुल यादव, चंद्रिका यादव, अखिलेश यादव, छोटू यादव, सुनीत यादव,अंकित यादव, सत्यम गिरी, पंकज गिरी, गोपी, प्रशासनिक अधिकारी आदि मौजूद रहे।

يسرٰی حکیمی دواخانہ Regd.No20230048
युसरा हकीमी दवाखाना
हमारी कोशिश, आपका विश्वास...
उपलब्ध सुविधायें-
- गठिया व जोड़ो के दर्द का इलाज
- बवासीर का इलाज बगैर आपरेशन के
- चर्म रोग व पेट की तमाम बीमारियों का इलाज
- बालों का झड़ना, सफेद दाग मुहासे व छाइयों का इलाज होता है ।
- नि:संतान का अचूक इलाज
- शुगर कन्ट्रोल का इलाज

मंगलवार बंदी बाक़ी दिन का सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक
Mob.: 9198443844, 8960275665
नोट- पुरुषों व महिलाओं के गुप्त रोगों से सम्बन्धित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज किया जाता है ।
अब हर जुमा को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक
सफेद दाग के मरीजों को मुफ्त दवा मिलेगी यह सन् 2025 के अन्त तक जारी रहेगा।
पता- बड़ी मस्जिद, पूर्वी गेट के सामने जौनपुर (उ.प्र.)

समाजसेवी भरत शुक्ला को स्वस्थ्य होने के लिए लोगों ने की प्रार्थना

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सायन कोळीवाडा के समाजसेवी मां विंध्यवासिनी मंदिर के ट्रस्टी भरत भाई शुक्ला की अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें सायन लोकमान्य तिलक सायन हास्पिटल में भर्ती किया गया। अब वे स्वस्थ हो कर अपने आवास पर आ चुके हैं। बता दें वे दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के सहयोगी है। उत्तर शक्ति परिवार के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, पत्रकार संजय मिश्रा बब्लू, पत्रकार राजकुमार अग्रहरि, के के मिश्रा बच्चन, प्रोफेसर डॉ दयानंद तिवारी, मोहन प्रजापति, भाजपा के सुनिल राय, नालासोपारा से पंडित आचार्य दिनानाथ शुक्ल, वरिष्ठ पत्रकार प्रेम चौबे, पत्रकार आनंद कुमार मिश्रा, राजेश वर्मा सहित कई लोगों ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि भरत भाई शुक्ला शीघ्र स्वस्थ हो कर समाज कार्य में पुनः तत्पर हो। ईश्वर उन्हें लम्बी आयु और स्वस्थ रहने की कामना करते हुए प्रार्थना की है।

शाहगंज पुलिस ने नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना शाहगंज पुलिस टीम द्वारा नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले 01 वांछित आरोपी को किया गया गिरफ्तार। थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0 अ0 स0 401/2024 धारा 137(2), 87,351(3), 64 भारतीय न्याय संहिता 2023 व 3/4 पाक्सो एक्ट में वांछित आरोपी विकास कुमार पुत्र गुल्लू निवासी गौसपुर थाना शाहगंज जौनपुर को आज दिनांक 10.06.2025 को समय 07:40 बजे थाना बस स्टैंड शाहगंज से गिरफ्तार किया गया। आवश्यक विधिक कार्यवाही कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।

पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

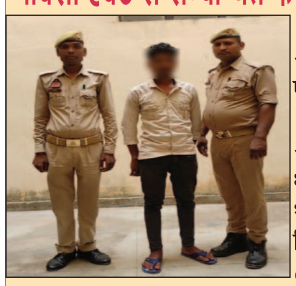

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जनपद सोनभद्र द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे। अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन को निर्देशन एंव क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण/नेतृत्व में थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस द्वारा आज दिनांक 09.06.2025 को मु0अ0-651/23 धारा 354/376 भादवि व धारा 3 /4 पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित 01 नफर आरोपी सोनू पुत्र केशव धांगर निवासी ग्राम भीखमपुर थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र को न्यायालय द्वारा जारी वारण्ट के क्रम में आरोपी सोनू को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया।

मनबढ़ो ने मायके जा रही महिला तथा उसके अबोध पुत्र को पीटा

जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के कादीपुर बाकरा बाद गांव की एक महिला को उसके अपने मायके जाते समय कुछ मनबढ़ो ने मारपीट कर घायल कर दिया तथा महिला के बच्चे का सर फोड़ दिया। बच्चे का इलाज निजी चिकित्सालय में कराया जा रहा है। महिला की तहरीर पर जलालपुर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। बकराबाद के कादीपुर गांव निवासी संगीता चौहान पत्नी संजय चौहान सोमवार की शाम अपने मायके जा रही थी रास्ते में ही कुछ मनबढ़ युवकों ने उसे रोक लिया और उसे मारने पीटने लगे इस मारपीट में महिला के बच्चे का कर भी फट गया जिसका इलाज एक निजी चिकित्सालय में कराया जा रहा है महिला की तहरीर पर जलालपुर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है थाना प्रभारी त्रिवेणी सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर पर 4के विरुद्ध केस दर्ज कर दिया है आवश्यक विधि कार्रवाई की जा रही है।

अज्ञात कार के टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के गजना गांव के पास एक बाइक सवार को सामने से आ रही अज्ञात कार ने टक्कर मार दिया। टक्कर से बाइक सवार युवक घायल हो गया। बता दें कि आजमगढ़ जनपद के बरदह निवासी मनीष गौतम देर रात में अपने रिश्तेदार के घर केशवपुर आया हुआ था। मंगलवार को सुबह ही वह अपने दूसरे रिश्तेदार से मिलने के लिए देवकली बाजार के लिए निकला। जैसे ही बाइक सवार मनीष गौतम की बाइक जौनपुर- केराकत हाईवे पर गजना गांव के पास पहुचा तभी विपरीत दिशा से आ रही एक अज्ञात कार ने टक्कर मार दिया। टक्कर से मनीष गौतम (30) घायल हो गया। उसके सिर और पैर में चोट आई। स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस से उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। वही टक्कर मारने वाला कार चालक फरार हो गया। थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर फूलचंद पांडेय ने बताया कि घायल युवक के परिजनों द्वारा तहरीर दी जाएगी तो अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

सांसद डॉक्टर सावरा ने शिक्षक संबंधी मामलों को लेकर शिक्षा राज्य मंत्री से की मुलाकात

वसई रोड। डॉ. सावरा ने राज्य के स्कूली शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. पंकज भोयर से शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न मुद्दों को तुरंत हल करने की मांग की राज्य के स्कूली शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. पंकज भोयर पालघर जिले के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने जिले की समग्र स्थिति की समीक्षा की। इस बार डॉ. हेमंत सावरा ने प्रत्येक जिले से मुलाकात की और ज्ञापन के माध्यम से मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि सरकार को शिक्षा क्षेत्र के सभी घटकों की समस्याओं पर तत्परता दिखाते हुए सकारात्मक निर्णय लेना बहुत जरूरी है। उक्त ममले में14 बिंदुओं पर ज्ञापन दिया गया है। मांगें केवल शिक्षकों, कर्मचारियों या विद्यार्थियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए बहुत जरूरी हैं। इसलिए सरकार को इन समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर तत्काल सकारात्मक समाधान निकालना चाहिए, ऐसा बयान में जोरदार तरीके से कहा गया है।

लोकल ट्रेनों में 'डोर क्लोजर' की व्यवस्था करने की गोपाल शेट्टी की मांग को रेल प्रशासन की हरी झंडी !

मुम्बई। मुंब्रा में यात्रा के दौरान ट्रेन से गिरकर 5 यात्रियों की मौत और करीब 11 लोगों के गंभीर रूप से घायल होने के दर्दनाक वाकिये के उपरांत शहर में चर्चा का विषय हो चला है कि एसी लोकल की भाँति लोकल ट्रेन के साधारण डिब्बों में भी 'डोर क्लोजर' जैसी व्यवस्था होनी चाहिए या नहीं। ट्रेनों में डोर क्लोजर का मुद्दा नया नहीं है। वर्ष 2014 में तत्कालीन सांसद गोपाल शेट्टी ने लोकसभा में मांग रखते हुए कहा था कि मुम्बई की लोकल ट्रेनों के लिए 'डोर क्लोजर' जैसी व्यवस्था आवश्यक है क्योंकि भीड़भाड़ के कारण हर साल लगभग 3 हजार लोग ट्रेन में यात्रा के दौरान दुर्घटनाओं का शिकार होकर बेमौत मारे जाते हैं तो लगभग इतने ही यात्रियों का अंग-भंग हो जाता है और सारा जीवन उन्हें कोई अंग खो देने के कारण तकलीफ में बिताना पड़ता है।

जनसेवक गोपाल शेट्टी ने माननीय सदन को बताया था लोकसभा का चुनाव जब लड़नेवाला था उस समय ही मेरा यही सबसे बड़ा 'एजेंडा' था कि यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर लोकल ट्रेनों में डोर क्लोजर की व्यवस्था कराई जाए। उन्होंने कहा था कि देशभर में जितने यात्री ट्रेन यात्रा के दौरान दुर्घटनाओं में शिकार बनते हैं उतना अकेले मुम्बई में ही दुर्घटना का विभीषिका झेलते हैं या शिकार बनते हैं। यह दुःख और शर्म की बात है।

महिला यात्रियों की असुविधाओं का हवाला देते हुए जनसेवक गोपाल शेट्टी ने कहा था कि मुम्बई में जिस कठिनाई से नारी शक्ति ट्रेन में प्रवास करती है वह भी बेहद डरावना और दुःखद है। चलती ट्रेन में चढ़ना और चालू ट्रेन से उतरना अधिकांश महिला यात्रियों का नसीब बन गया है। इन महिला यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर सभी लोकल ट्रेनों के साथ-साथ मुम्बई की लेडिज स्पेशल ट्रेनों में भी डोर क्लोजर अत्यंत आवश्यक है।

जनसेवक गोपाल शेट्टी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए यह अत्यंत जरूरी मांग तर्कसंगत थी। मुंबई में लोकल ट्रेनें एक बहुत ही व्यस्त परिवहन प्रणाली हैं, और हर दिन लाखों लोग ट्रेनों से यात्रा करते हैं। स्वचालित दरवाजे यात्रियों को सुरक्षित रूप से चढ़ने और उतरने में मदद करेंगे, जिससे यात्रियों के गिरने के डर और अन्य दुर्घटनाओं का जोखिम भी कम होगा। मुझे प्रसन्नता है कि 2014 से मेरी मांग और प्रयास पर अब रेलवे प्रशासन का ध्यान डोर क्लोजर की आवश्यकता पर गया है और कह सकता हूँ कि इस मांग को हरी झंडी मिल गई है।

महाराजगंज को जिला बनाने को लेकर उपमुख्यमंत्री को दिया ज्ञापन

सिवान (उत्तरशक्ति)। सिवान बिहार के महाराजगंज 20 जून 2025 को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बिहार के सीवान जिले के पचरुखी में आ रहे हैं। जिसकी तैयारी बैठक में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आए थे। महाराजगंज की जनता ने अंगद जी महाराज की नेतृत्व में महाराजगंज को जिला बनाने का ज्ञापन उपमुख्यमंत्री को सौंपा। बताते चले की 20 जून को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के सीएम नीतीश कुमार सीवान जिले की जनता को विकास की लंबी लकीर खींचने के साथ भारत के मान सम्मान की बात जनता के समक्ष रखेंगे।

रिश्वत लेते राजस्व कर्मचारी को निगरानी टीम ने दबोचा

सिवान (उत्तरशक्ति)। सिवान बिहार के महाराजगंज स्थानीय अनुमंडल क्षेत्र के लकड़ी नवीगंज आंचल के राजस्व कर्मचारी गिरीश तिवारी को पटना निगरानी की टीम ने रिश्वत लेते सोमवार की अपराह्न में गिरफ्तार किया। बताया जाता है कि लकड़ीनबीगंज अंचल क्षेत्र के गोपालपुर निवासी अजीत कुमार सिंह से जमीन दाखिल खारिज के नाम पर 35 हजार रुपए की मांग की थी। जिसकी शिकायत पीड़ित अजीत सिंह ने पटना निगरानी टीम से लिखित शिकायत की थी। निगरानी की टीम ने सोमवार को लकड़ीनबीगंज अंचल पहुंच कर नाटकीय ढंग से घूसखोर राजस्व कर्मचारी गिरीश तिवारी को रंगे हाथ धर दबोचा। टीम ने सारे सबूत के साथ राजस्व कर्मचारी गिरीश तिवारी को पटना लेकर चली गई.

बताया जाता है कि गिरीश तिवारी के गिरफ्तारी से लकड़ी नवीगंज अंचल के सरकारी महकमे में हड़कंप का माहौल है, लोगों का कहना है कि कर्मचारी गिरीश तिवारी के चार-पांच दलाल उसके इर्द-गिर्द रह कर गरीब-गुरबा लोगों से झूठ-फरेब कर राशि ऐंठते थे, बताया जाता है कि गिरीश तिवारी जब महाराजगंज अंचल में थे तब भी नाजायज उगाही को लेकर झगड़ा-झंझट होते रहता था। लोगों का कहना है यह कोई एक अंचल की बात नहीं है बिहार में कमोबेस सभी अंचलों में भूमि व राजस्व मामले में नाजायज पैसे की वसूली संबंधित सरकारी मशीनरी द्वारा ली जा रही है, निगरानी टीम के इस कार्रवाई से आम जनता में कानून के प्रति विश्वास बढ़ा है। लोगों में खुशी की लहर है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी द्वारा बैंकों के प्रतिनिधियों से योजना की प्रगति की जानकारी ली गयी। योजनान्तर्गत अपेक्षित प्रगति न पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई और बैंकों के प्रतिनिधियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नही होगी। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना मा0 मुख्यमंत्री जी की प्राथमिकता वाली योजनाओं में से एक है। समीक्षा के दौरान एचडीएफसी बैंक के द्वारा 63 आवेदन के सापेक्ष मात्र 4 आवेदकों को लोन स्वीकृत और 4 को ऋण वितरित किये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और निर्देश दिया गया कि शासकीय योजनाओ के क्रियान्वयन में रुचि ली जाए अन्यथा कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी के समक्ष आवेदक अमित कुमार के द्वारा प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया कि पंजाब नेशनल बैंक पॉलिटेक्निक चौराहा के द्वारा उनका ऋण स्वीकृत हो जाने के उपरांत भी खाते में पैसा नहीं आया है और बैंक में जानकारी प्राप्त करने पर बताया जा रहा है कि उनका बैंक खाता बंद कर दिया गया है। प्रकरण संज्ञान में आने पर जिलाधिकारी के द्वारा तत्काल पंजाब नेशनल बैंक शाखा प्रबंधक को निर्देशित किया गया कि शीघ्र अति शीघ्र प्रकरण का निस्तारण करते हुए उन्हें अवगत कराया जाए। जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना में अधिक से अधिक आवेदन कराया जाए। जिससे युवा स्वयं का उद्यम शुरू कर आत्मनिर्भर बन सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, एलडीएम, प्रबंधक गौरव कुमार सहित बैंक के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

ट्रक के टक्कर से तीन लोग हुए घायल

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के वाराणसी-बाबतपुर फोरलेन पर मंगलवार सुबह दर्दनाक हादसे में तीन महिला सफाईकर्मी घायल हो गईं। सुबह करीब 9:30 बजे साते महुआ के पास तेज रफ्तार ट्रक ने सफाई कार्य कर रहे मजदूरों और ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दिया। हादसे में तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है ट्रैक्टर चालक सुनील के अनुसार फोरलेन के डिवाइडर पर लगे सजावटी पौधों की छंटाई और डिवाइडर के पास जमा हुए मलबे की सफाई का कार्य कई दिनों से चल रहा है। मंगलवार को भी कार्यदायी संस्था की ओर से मजदूर तैनात थे। इसी दौरान वाराणसी से बाबतपुर की ओर जा रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने मजदूरों के साथ ही ट्रैक्टर को भी टक्कर मार दिया हादसे में जंसा थाना क्षेत्र के भतसार गांव की निशा देवी और चंदा देवी तथा लहिया गांव की बिंदू देवी घायल हो गईं। तीनों महिलाओं को हादसे के बाद आनन-फानन में स्थानीय लोगों द्वारा नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

श्री काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं से ठगाही कर रहे गिरोह का भंडाफोड़, पुलिस ने मारा छापा

सुरेश गांधी

वाराणसी। मोक्ष की नगरी काशी, जहां लोग ईश्वर के दर्शन के लिए हजारों किलोमीटर की यात्रा कर आते हैं, वहीं श्रद्धालुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने वाले गिरोह की काली करतूत सामने आई है। काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन कराने के नाम पर अवैध वसूली करने वाले 21 लोगों को पुलिस ने धरदबोचा है। कार्रवाई एसीपी दशाश्वमेध डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी के नेतृत्व में हुई, जिसने मंदिर क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या ये लोग अकेले काम कर रहे थे या इनके पीछे कोई बड़ी साजिश है? क्या मंदिर परिसर में प्रशासनिक मिलीभगत भी है? आखिर इतने महीनों तक इनकी करतूतें कैसे छुपी रहीं? क्या आगे होगी बड़ी साजिश की परतें खुलासा? अब पुलिस की जांच का फोकस इस बात पर है कि क्या ये लोग किसी बड़े नेटवर्क का हिस्सा थे? क्या इसमें मंदिर से जुड़े किसी स्टाफ या सुरक्षाकर्मी की संलिप्तता है? और सबसे अहम, क्या इससे श्रद्धालुओं की सुरक्षा और अनुभव पर असर पड़ा? आरोप है कि दशाश्वमेध और चौक थाना क्षेत्र से पकड़े गए ये आरोपी खुद को पुजारी बताकर मोटी रकम वसूलते थे. श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की भी पुष्टि हुई है। बता दें, वाराणसी के प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं से फर्जी पंडा-पुजारियों द्वारा ठगी और दुर्व्यवहार की घटनाएं, लगातार सामने आ र.ही थीं. इसी को गंभीरता से लेते हुए वाराणसी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 21 फर्जी पंडा-पुजारियों को गिरफ्तार किया है. ये सभी आरोपी श्रद्धालुओं को झासुगम दर्शन और टच दर्शन का झांसा देकर मोटी रकम ऐंठते थे और अक्सर उनके साथ दुर्व्यवहार भी करते थे. दरअसल, काशी विश्वनाथ मंदिर में कॉरिडोर बनने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में भारी वृद्धि हुई है, जिससे इस तरह के फजीवाड़े के लिए जमीन तैयार हो गई. ठग खुद को पंडा या पुजारी बताकर श्रद्धालुओं को भ्रमित करते थे. इनमें से कई ने पारंपरिक वेषभूषा भी धारण कर रखी थी, जिससे वे असली पुजारियों जैसे प्रतीत होते थे

सूत्रों के अनुसार, बीते कई महीनों से मंदिर परिसर के आसपास सक्रिय कुछ तथाकथित दलाल श्रद्धालुओं को वीआईपी दर्शन, जल्दी प्रवेश या स्पेशल लाइन का झांसा देकर मोटी रकम वसूल रहे थे। कुछ तो खुद को मंदिर से जुड़ा कर्मचारी बताकर आमजनों को भ्रमित करते थे। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने प्लानिंग के तहत कार्रवाई की। सादे कपड़ों में पुलिस टीम ने श्रद्धालु बनकर मौके की निगरानी की और रंगेहाथ इन दलालों को गिरफ्तार कर लिया।

एसीपी डॉ. त्रिपाठी ने कहा, काशी विश्वनाथ धाम देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। यहां किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि, चाहे वह दर्शन के नाम पर ठगाही हो या श्रद्धालुओं को गुमराह करना, बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि पकड़े गए सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है और पूरे नेटवर्क की परतें धीरे-धीरे खुल रही हैं। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सख्त निगरानी की बात कही है।

जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन के तहत कराए जा रहे कार्यों का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा विकासखंड बदलापुर के देहुरा गांव में जल जीवन मिशन के तहत कराए जा रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि निर्माण कार्य अभी चल रहा है कार्यदाई संस्था एफकॉन के द्वारा अवगत कराया गया कि कनेक्शन का कार्य हो रहा है पाइप लाइन को जोड़ने का कार्य अभी अवशेष है 650 के सापेक्ष लगभग 355 लाभार्थियों को नल का कनेक्शन देने का कार्य किया गया है। जिलाधिकारी के द्वारा ग्राम प्रधान से पाइप लाइन कनेक्शन, पानी की सप्लाई, परियोजना के प्रगति आदि के सन्दर्भ में फीडबैक भी लिया गया और कार्यदाई संस्था को निर्देशित किया गया कि प्राइमरी स्कूल सहित सभी सरकारी भवनों में कनेक्शन अनिवार्य रूप से कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि यह योजना शासन तथा मा0 प्रधानमंत्री जी की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है स्वच्छ पेयजल से लोग बीमार नही होंगे। उन्होंने कहा कि जो भी कार्य अवशेष है, उन्हें माह जुलाई तक प्रत्येक दशा में पूर्ण कर लिया जाए और जो भी सड़के खोदी गई है, उसे शासन के निर्देशों के क्रम में मानक के अनुरुप रिस्टोर/रिपेयर कर दिया जाए। इसके पश्चात जिलाधिकारी द्वारा सिगरामऊ बदलापुर स्थित जल जीवन मिशन के अन्तर्गत स्थापित प्री-कास्ट यार्ड का भी निरीक्षण किया गया। जहां ओवर हेड टैंक की संरचना का निर्माण हो रहा था इस दौरान पाया गया कि लगभग 98 ओवर हेड टैंक का निर्माण हो गया है तथा अवशेष पर कार्य हो रहा है जो माह दिसम्बर तक पूर्ण होना प्रस्तावित है। जिलाधिकारी ने ओवर हेड टैंकों की क्षमता आदि के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए कार्यदायी संस्था एफकॉन के प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि कार्य को गति दीजिए तथा जितने भी ओवर हेड टैंक की संरचना का निर्माण कार्य हो चुका है उन्हें निर्धारित साइट पर लगा दिया जाए इस दौरान कार्य स्थल पर जितने भी श्रमिक कार्य करते हुए पाये गये उनके श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन, बीमा आदि के सन्दर्भ में जानकारी लेते हुए निर्देशित किया गया कि श्रमिकों का प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अन्तर्गत पंजीकरण भी कराया जाए। उन्होंने श्रमिको से संवाद भी किया। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन योजना अन्तर्गत व्यापक स्तर पर ओवर हेड टैंक का निर्माण कराया जा रहा है। कार्य को गति देने के निर्देश दिये गये है जिससे कार्य ससमय पूर्ण हो सके। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता जल निगम महेंद्र राम, उप जिलाधिकारी बदलापुर योगिता सिंह, खंड विकास अधिकारी सहित कार्यदाई संस्था के प्रतिनिधि ग्राम प्रधान और ग्रामीण उपस्थित रहें।

वाराणसी में जगन्नाथ जी का होगा जलाभिषेक, 15 दिन बाद निकलेगी भव्य रथयात्रा

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में 11 जून को अस्सी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र का पारंपरिक जलाभिषेक श्रद्धालुओं द्वारा विधि-विधान के साथ किया जाएगा। श्री जगन्नाथ जी ट्रस्ट के सचिव शैलेश तिवारी ने बताया कि जलाभिषेक के बाद भगवान अस्वस्थ हो जाते है और अगले 15 दिनों तक उन्हें औषधीय काढ़े का भोग अर्पित किया जाता है। इस अवधि में भगवान विश्राम करते हैं और उनका विशेष उपचार होता है। मंदिर के पुजारी राधेश्याम पांडे के अनुसार, यह परंपरा कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा से चली आ रही है जब अत्यधिक स्नान के कारण भगवान को अस्वस्थ माना जाता है। भगवान के स्वास्थ्य लाभ के बाद वे आषाढ़ अमावस्या को डोली में सवार होकर रथयात्रा के लिए निकलते हैं। इस बार रथयात्रा की शोभायात्रा असि से निकाली जाएगी और 27 से 29 जून तक रथयात्रा स्थल पर तीन दिवसीय मेला आयोजित किया जाएगा। फिलहाल मंदिर में जलाभिषेक को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मंदिर परिसर की रंगाई-पुताई व सजावट का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है।